दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

रश्मिका मंदाना के बर्थडे ...8

सिद्धार्थनगर
मंगलवार ,07 अप्रैल 2026
वर्षः 13 अंक : 110 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

असम में पीएम मोदी का कांग्रेस पर चौतरफा वार

पाकिस्तान से लेकर घुसपैठियों तक पर घेरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर पाकिस्तान के विचारों से संबंध रखने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी दल के राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी रवैये की वजह से पाकिस्तान को बार–बार इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले असम के बरपेटा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने दावा किया कि भारत के श्ऑपरेशन सिंदूरश् के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पाकिस्तान के पक्ष में रुख अपनाया था। उन्होंने रक्षा और शासन व्यवस्था के क्षेत्र में पार्टी के व्यापक रिकॉर्ड की आलोचना को दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह के रुख ने ऐतिहासिक रूप से राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पाकिस्तान को प्रोत्साहन दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कांग्रेस ने वही बातें दोहराईं जो पाकिस्तान फैला रहा था। कांग्रेस नेताओं का पाकिस्तान से यह संबंध हमेशा से रहा है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी असम में 9 अप्रैल को होने वाले 126 विधानसभा चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन जुटाने के लिए आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आई।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस कभी जनता के बीच अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर नहीं जाती। जबकि बीजेपी सरकार, साफ नीयत से जनता को बताती है कि हमने जनता की सेवा के लिए क्या किया। मोदी ने कहा कि 2013 में जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब धान का एमएसपी मात्र 1,300 रुपएध्क्विंटल था। आज धान का एमएसपी करीब 2,370 रुपएध् क्विंटल है और असम की भाजपा सरकार अपनी तरफ से भी इसमें वृद्धि करती है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले के 10 वर्षों में जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब देश के धान किसानों को एमएसपी के सिर्फ 4 लाख करोड़ रुपए मिले थे। लेकिन 2014 के बाद के 10 वर्षों में धान किसानों को हमारी सरकार ने 16 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। साफ है कांग्रेस कभी ध ाान किसानों का भला नहीं कर सकती।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए विधानसभा में और संसद में महिलाओं की भूमिका हो, ये बहुत जरूरी है, इसलिए हमारी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। इसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तय हुआ है। देश की बहन बेटियों ने 40 साल तक इसका इंतजार किया है। इसलिए जरूरी है 2029 के लोकसभा चुनाव से ही महिलाओं को ये हक मिले। इसके लिए कानून में संशोधन आवश्यक है। इसलिए

सत्तानकुलम कस्टोडियल मौत केस में 9 पुलिस कर्मियों को फांसी

तमिलनाडु के चर्चित सत्तानकुलम कस्टोडियल मौत मामले में आखिरकार अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है, जिसने एक बार फिर पूरे देश को उस दर्दनाक घटना की याद दिला दी है। मदुरै जिले की एक अदालत ने सोमवार को इस मामले में दोषी पाए गए नौ पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई है। बता दें कि यह मामला साल 2020 का है, जब व्यापारी पी जयराज और उनके बेटे जे बेनिक्स को लॉकडाउन के दौरान दुकान खोलने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। मौजूद जानकारी के अनुसार, बाद में यह आरोप गलत साबित हुआ, लेकिन पुलिस हिरासत में उनके साथ बर्बर मारपीट की गई, जिसके चलते दोनों की मौत हो गई। अदालत ने अपने फैसले में इसे सत्ता के दुरुपयोग का गंभीर मामला बताया है। गौरतलब है कि अदालत ने कहा कि आरोपी पुलिसकर्मियों ने पिता और बेटे को कपड़े उतरवाकर एक–दूसरे के सामने बेरहमी से पीटा, जिसे पढ़कर ही दिल दहल उठता है।

ट्रंप के सीजफायर को ईरान की नो

बातचीत के लिए रखी 10 शर्तें

ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को खारिज कर दिया है और पाकिस्तान के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। यह जानकारी सोमवार को सरकारी समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी ने दी। प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि तेहरान अस्थायी युद्धविराम के लिए तैयार नहीं है, बल्कि उसने ष्युद्ध की स्थायी समाप्तिष् की आवश्यकता पर बल दिया है। ईरान की प्रतिक्रिया दस बिंदुओं वाले ढांचे के रूप में तैयार की गई है, जो तत्काल युद्धविराम से कहीं आगे जाती है। मूल रूप से, ईरान न केवल

दोबारा शुरू न हो। वह होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण की मान्यता भी चाहता है, जिसमें यातायात को नियंत्रित करने और मार्ग से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने का अधिकार शामिल है।

साथ ही यह सुनिश्चित करने की भी मांग कर रहा है कि संघर्ष अपनी सीमाओं के भीतर, बल्कि लेबनान और गाजा में भी युद्ध की स्थायी समाप्ति चाहता है,

तेहरान की परमाणु अधिकार की मांग

प्रस्ताव में ईरान की अर्थव्यवस्था पर लंबे समय से पड़ रहे दबाव को कम करने वाले सभी आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने की भी मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, तेहरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत यूरेनियम संवर्धन के अपने अधिकार की औपचारिक मान्यता और युद्ध के कारण हुए आर्थिक नुकसान के मुआवजे की मांग कर रहा है। काहिरा स्थित ईरानी राजनयिक मिशन के प्रमुख मोजतबा फरदौसी पोर ने सोमवार को एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हम केवल युद्धविराम स्वीकार नहीं करेंगे। हम युद्ध की समाप्ति तभी स्वीकार करेंगे जब हमें यह गारंटी दी जाए कि हम पर दोबारा हमला नहीं किया जाएगा। यह प्रतिक्रिया ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा और बुनियादी ढांचे पर बमबारी करने की निर्धारित समय सीमा से पहले आई है। इसी बीच, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीबीएस न्यूज को बताया कि पाकिस्तान समर्थित युद्धविराम प्रस्ताव विचाराधीन कई विचारों में से एक है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि महाकाव्य अभियान जारी है।

भारत और नेपाल ने की द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा

बालेन शाह के पदभार संभालने के बाद पहली मुलाकात

नई दिल्ली। भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को नेपाल के नवनियुक्त विदेश मंत्री शिशिर खनाल से शिष्टाचार मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। खनाल ने 27 मार्च को विदेश मंत्रालय में पदभार ग्रहण किया। विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, मुलाकात के दौरान श्रीवास्तव ने खनाल की नियुक्ति पर विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से बधाई संदेश दिया। बयान में कहा गया कि इस अवसर पर नेपाल–भारत संबंधों और सहयोग से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा की गई।

जयशंकर ने खनाल को उनके पदभार ग्रहण करने के दिन बधाई दी थी। जयशंकर ने कहा कि वे भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपने नेपाली समकक्ष के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। ठाणे में आयोजित भारत–नेपाल व्यापार कार्यक्रम और व्यापार संवर्धन पहल में शर्मा ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों को साझा वृद्धि को बढ़ाने के लिए सहयोग और साझेदारी के नए रास्ते तलाशने चाहिए। आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम ने दोनों देशों के प्रमुख व्यक्तियों, व्यापारिक नेताओं और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साथ लाने का काम किया।

पूर्व राजनयिक केपी फैबियन ने यूएस को दिखाया आईना, बोले– यह अहंकार और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण

पूर्व राजनयिक केपी फैबियन ने सोमवार को कहा कि अमेरिका का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है और अहंकार दर्शाता है। एएनआई से बात करते हुए फैबियन ने कहा कि अमेरिकी विमानों को गिराने की ईरान की क्षमता को स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वास्तव में यह एक बड़ी उपलब्धि थी। इस्फहान के पास ईरानी क्षेत्र में इतनी गहराई तक जाना बेहद मुश्किल था, लेकिन साथ ही हमें यह भी समझना होगा कि ईरान के पास हवाई रक्षा या वायुसेना के नाम पर कुछ खास नहीं है। हमें यह भी मानना घ्च्चाहिए कि इस प्रक्रिया में ईरान ने एक या दो अमेरिकी परिवहन विमानों को गिरा दिया है। फैबियन ने कहा कि ट्रंप ने

अपनी सूझबूझ खो दी है, जैसा कि उनके अपशब्दों के इस्तेमाल से स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि यह मिली–जुली सफलता है, लेकिन कुल मिलाकर यह अच्छा हुआ क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के गुस्से और नखरों को देखते हुए, अगर ईरानियों ने उन्हें पहले पकड़ लिया होता, तो वे उनका इस्तेमाल प्रचार के लिए करते। इससे ट्रंप इतने क्रोधित हो जाते कि उनका विवेक और भी बिगड़ जाता। जैसा कि उनके अपशब्दों के इस्तेमाल से स्पष्ट है, उनका विवेक पहले ही बिगड़ चुका है। अमेरिका का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि वह न केवल अपशब्दों का प्रयोग कर रहा है, बल्कि युद्ध सचिव पवित्र सप्ताह के दौरान बाइबल का हवाला भी दे रहे हैं। अमेरिका – राष्ट्रपति और युद्ध सचिव दोनों खुलेआम कह रहे हैं कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून की परवाह नहीं है। बार–बार नागरिक ठिकानों पर हमले की बात कहकर वे यह जता रहे हैं कि उन्हें कोई परवाह नहीं है। पीट हेगसेथ ने कहा कि उन्हें इन "बेवकूफी भरे युद्ध नियमों" की जरा भी परवाह नहीं है।

दिल्ली के मेयर का महामुकाबला!

बीजेपी–आप में फिर छिड़ेगी जंग, जानें किसका नंबर गेम है मजबूत

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में महापौर, उप महापौर और प्रमुख नागरिक समितियों के पदों के लिए चुनाव जल्द ही होने की संभावना है, और यह प्रक्रिया अप्रैल के अंतिम सप्ताह में होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, सदन की स्थायी समिति में तीन रिक्त सीटों को भरने के लिए चुनाव भी इसी अवधि में निर्धारित हैं। पिछले साल आम आदमी पार्टी (आप) ने महापौर चुनाव से दूरी बनाए रखी, जिसके चलते भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्विरोध जीत गई।

दिल्ली में महापौर का पद अंत में नए महापौर का चुनाव होता है। पिछले साल, भाजपा ने दो साल के अंतराल के बाद एमसीडी पर पुनः नियंत्रण हासिल किया। पिछले चुनावों में बार–बार व्यवधान उत्पन्न हुए थे, आम आदमी और भाजपा पार्षदों के बीच तीखे मतभेदों के कारण चुनाव स्थगित करने पड़े थे। इससे पहले, मेयर के चुनाव के प्रयास गतिरोध के कारण प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही विफल हो गए थे। इस वर्ष, दिल्ली विधानसभा द्वारा मनोनीत 14 विधायकों, कुल 249 पार्षदों और तीन राज्यसभा सदस्यों ने महापौर के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल बनाया है। पांच एक–वर्षीय कार्यकालों की रोटेशनल प्रणाली पर आधारित है, जिसमें पहला वर्ष महिलाओं के लिए, दूसरा सामान्य वर्ग के लिए, तीसरा आरक्षित वर्ग के लिए और शेष दो वर्ष फिर से सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित होते हैं। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के

बैरिकेड तोड़कर दिल्ली विधानसभा में अंदर घुस गई कार, स्पीकर के कमरे के बाहर रखा गुलदस्ता और फिर...वीडियो वायरल

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है, जब एक अज्ञात कार गेट तोड़कर अंदर घुस गई. घटना से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन ने गेट नंबर 2 पर लगी लोहे की बैरिकेड तोड़कर विधानसभा परिसर में प्रवेश किया। इसके बाद चालक अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर बढ़ा और बरामदे के पास फूलों का गुलदस्ता रख दिया। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात वाहन बाद में विधानसभा परिसर से भागने में सफल रहा, जिससे मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इस घटना को गंभीर सुरक्षा चूक माना जा रहा है और चालक की पहचान करने और इस कृत्य के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध सबूतों के आधार पर वाहन का पता लगाने और चालक की पहचान करने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, अधिकारी प्रवेश बिंदुओं की भी समीक्षा कर रहे हैं और घटना के दौरान मौजूद विधानसभा कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं। इस घटना ने सभा सुरक्षा में खामियों को उजागर किया है, जिसके चलते कड़ी निगरानी और गहन जांच की मांग उठ रही है। अधिकारियों से उम्मीद की जा रही है कि वे प्रवेश द्वारों को और सख्त करेंगे और आपातकालीन प्रोटोकॉल की समीक्षा करेंगे।

दुबई में न संपत्ति, न गोल्डन वीजा, गौरव गोगोई के आरोपों पर सीएम सरमा की पत्नी का सीधा जवाब

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के उन दावों को खारिज कर दिया है कि उनके या उनके परिवार के दुबई या विदेश में कोई संपत्ति या व्यावसायिक हित हैं। उन्होंने गोगोई को अपने परिवार के बारे में जानकारी सार्वजनिक करने की चुनौती दी है। 6 अप्रैल को ग पर एक पोस्ट में, रिनिकी भुइयां सरमा ने कहा कि मैं आपको सस्पेंस में नहीं रखूंगी और इन हास्यास्पद सवालों का जवाब खुद ही दे दूंगी। ये रहारू न तो मेरा, न मेरे बच्चों का, न ही मेरे पति का दुबई या भारत के बाहर कहीं भी कोई व्यावसायिक हित या संपत्ति है। अब आपकी बारी। क्या आप बता सकती हैं कि आपकी पत्नी का पाकिस्तान में कोई बैंक खाता है या कभी था? और क्या आप उन विवरणों को सार्वजनिक करेंगी? उन्होंने गोगोई के बदलते दावों की आलोचना करते हुए कहा कि यह भी दिलचस्प है कि 24 घंटे के भीतर ही आप 'मिस्र के पासपोर्ट पर गोल्डन वीजा' के अपने दावे से पीछे हटकर अब 'भारतीय पासपोर्ट' की बात कर रहे हैं। यह घटनाक्रम गोगोई द्वारा ग पर सरमा और उनके परिवार की विदेशी संपत्तियों और पासपोर्ट विवरण से संबंधित पहले के प्रश्नों के बाद सामने आया है।

केरल में प्रियंका का एलडीएफ सरकार पर बड़ा हमला बोलीं–

युवा नौकरी के लिए पलायन को मजबूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को केरल में शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे को उठाया और कहा कि योग्यता होने के बावजूद कई युवा राज्य से बाहर नौकरी तलाशने के लिए मजबूर हैं। पेरावूर में जनता को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं पिछले एक साल से वायनाड की सांसद हूं और मैं आप लोगों की समस्याओं और संघर्षों को करीब से देखती हूं। मैं देख सकती हूं कि आप सभी ने अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए बहुत संघर्ष और मेहनत की है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि जिन लोगों से मेरी मुलाकात होती है, वे काफी पढ़े–लिखे हैं। केरल में जब मैं पढ़े–लिखे युवाओं से मिलती हूं तो अक्सर उनके पास नौकरी नहीं होती, और अगर होती भी है, तो वह राज्य से बाहर होती है। केरल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान 9 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को निर्धारित है। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 23 मई को समाप्त हो रहा है। पिछले एक दशक से केरल में CPI(M) के नेतृत्व वाली स्वध् सरकार है। 2021 के चुनावों में, LDF ने 99 सीटों के साथ सत्ता बरकरार रखी और 1977 के बाद लगातार दो कार्यकाल जीतने वाली पहली सत्ताधारी सरकार बनी। UDF को 41 सीटें मिलीं, जबकि NDA को 11.4 प्रतिशत वोट मिलने के बावजूद एक भी सीट नहीं मिली।

इस जीत के बाद, मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन केरल के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं जिन्हें पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा चुना गया है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) 62 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि कांग्रेस ने 21 और सीपीआई ने 17 सीटें जीतीं। यूडीएफ की प्रमुख सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने 15 सीटें हासिल कीं। राज्य भर में यूडीएफ के चुनाव प्रचार में सतीशन की केंद्रीय भूमिका को देखते हुए, परवूर के नतीजों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है, क्योंकि ये नतीजे मोर्चे की चुनावी संभावनाओं और केरल की राजनीति में उनकी नेतृत्व क्षमता दोनों के संकेतक साबित होंगे।

जेपी नड्डा ने फूंका जीत का बिगुल, कहा– एनडीए को मिल रहा अपार जनसमर्थन

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि असम में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में मजबूत माहौल है। तिनसुकिया में एएनआई से बात करते हुए नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, एनडीए के पक्ष में माहौल है। एनडीए को समाज के सभी वर्गों का सर्वसम्मति से समर्थन मिल रहा है। मोदी जी ने असम में जो काम किया है, असम को जो आशीर्वाद दिया है और हिमंता बिस्वा शर्मा जी ने जमीनी स्तर पर जिस तरह से इसे लागू किया है, असम की जनता उसका स्वागत कर रही है। असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में चुनाव होंगे और मतगणना 4 मई को होगी। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि उसने अपने हितों को प्राथमिकता दी और अपने शासनकाल में असम को विकास से वंचित रखा। भाजपा उम्मीदवार शिलादित्य देव के समर्थन में होजाई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने जिले में बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए एनडीए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने असम को बिजली के मामले में एक आदर्श राज्य बताया और उल्लेख किया कि केंद्र ने पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना के तहत सौर पैनल लगाने के लिए 70,000 से 80,000 रुपये उपलब्ध कराए हैं। मोदी ने कांग्रेस पर परिवार को प्राथमिकता देने का आरोप भी लगाया।

बाइक सवार बदमाशों ने महिला का मोबाइल छीना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के नौगढ़ क्षेत्र में एक महिला से मोबाइल छीनने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, मनोज कुमार (पुत्र महेश कुमार) की पत्नी पिंकी गुप्ता बाजार से अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान रॉयल लॉन होटल के पास रास्ते में तीन मोटरसाइकिल सवार अज्ञात चोरों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया।घटना दिनांक 01 अप्रैल 2026 की शाम लगभग 7.40 बजे की बताई जा रही है। घटना स्थल हुसैनगंज ग्रीन रॉयल मैरिज हॉल के सामने का है। अचानक हुई इस वारदात से महिला घबरा गईं।छिना गया मोबाइल रेडमी 9 ।2 मॉडल का बताया गया है, जिसका IMEI नंबर 0124/60WE75572&867555094879031 तथा मोबाइल नंबर 7307691901 है।पीड़िता पिंकी गुप्ता ने तत्काल डायल 112 पर सूचना देकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

नगर निकायों की समीक्षा में डीएम सख्त, सफाई, जलनिकासी व निर्माण कार्य समय से पूरा करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर की प्रगति, साफ–सफाई में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. की अध्यक्षता में नगर निकायों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण एवं नाली व्यवस्था का मूल्यांकन करना था। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों से उनके क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विशेष रूप से सड़क निर्माण, नाली सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया, ताकि बरसात में जलभराव की समस्या न हो। साफ–सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने नगर निकायों में नियमित सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता में लापरवाही जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है, इसलिए कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण को प्रभावी बनाने और सार्वजनिक स्थलों की सफाई बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। पेयजल आपूर्ति पर विशेष जोर देते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए। जहां भी समस्या हो, उसका तत्काल समाधान किया जाए। खराब एटीएम वाटर मशीनों को शीघ्र ठीक कराने तथा पाइपलाइन मरम्मत के निर्देश भी दिए गए। बैठक में नगर निकायों की आय बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कर वसूली को प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे नगर निकायों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और विकास कार्यों को गति मिलेगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गौरव श्रीवास्तव, सभी अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नक्शे के विपरीत निर्माण पर प्रशासन सख्त, मालिक को दोबारा नोटिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

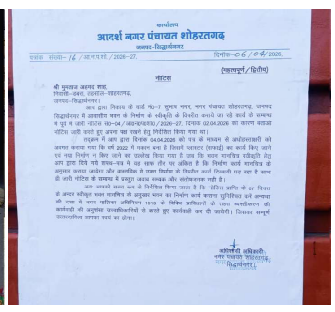

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या–7 सुभाष नगर में निर्माणाधीन भवन को लेकर 'मकान या मदरसा' विवाद लगातार गहराता जा रहा है। भवन स्वामी मुमताज अहमद शाह का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह कहते दिख रहे हैं कि फिलहाल मकान का निर्माण कराया जा रहा है और आगे की स्थिति बयान के बाद भी मौके पर बदलावों ने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि प्रशासन ने 2 अप्रैल को अधिशासी अधिकारी के माध्यम से कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्माण कार्य को स्वीकृत मानचित्र के विपरीत बताते हुए रुकवा दिया था। इसके बावजूद मौके पर परिवर्तन देखे गए। रविवार को बैठकों को तोड़ा हुआ पाया गया, जिससे मामले में संदेह और गहरा गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भवन के अंदर वजू की व्यवस्था और शौचालय दिखाई देने से विवाद और तेज हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आवासीय नक्शे पर स्वीकृति लेकर भवन को धार्मिक उपयोग के लिए वजू के लिए लगी टोंटियां हटाई गईं और सीमेंट की बनी बैठकों को तोड़ा हुआ पाया गया, जिससे मामले में संदेह और गहरा गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भवन के अंदर वजू की व्यवस्था और शौचालय दिखाई देने से विवाद और तेज हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आवासीय नक्शे पर स्वीकृति लेकर भवन को धार्मिक उपयोग के लिए विकसित किया जा रहा था। नेपाल सीमा से सटे क्षेत्र होने के कारण बिना अनुमति मदरसा संचालन पर सख्त नियम लागू हैं, जिससे मामला संवेदनशील बना हुआ है। इसी बीच सोमवार को नगर पंचायत प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए भवन स्वामी को एक और नोटिस जारी किया है। प्रशासन का कहना है कि पूर्व में दिए गए नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। नए नोटिस में निर्देश दिया गया है कि 7 दिनों के भीतर निर्माण कार्य स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप कराया जाए, अन्यथा नगर पालिका अधिनियम 1916 के तहत अवैध निर्माण ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पंचायत भवन पर दबंगों का कब्जा, 'ग्राम स्वराज' का सपना अधूरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विकास खंड बढ़नी क्षेत्र में ग्राम स्वराज की हकीकत कागजों तक सिमटती नजर आ रही है। ग्राम पंचायत मटियार उर्फ भुतहवा का पंचायत भवन अवैध कब्जे की भेंट चढ़ गया है। ग्रामीणों के अनुसार भवन में बेड व सोफा सेट डालकर कुछ लोगों ने उसे आवास की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जिससे पंचायत संबंधी कार्य पूरी तरह प्रभावित हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सचिव उदय प्रताप गौतम और ग्राम प्रधान चुल्हई की उदासीनता के चलते स्थिति बदतर बनी हुई है। पंचायत भवन में न तो बैठकों का आयोजन हो पा रहा है और न ही ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। क्षेत्र में कई पंचायत भवन या तो जर्जर हालत में हैं या फिर अवैध कब्जे में हैं। कहीं भवनों का उपयोग तबेले के रूप में हो रहा है तो कहीं कंडा पाथा जा रहा है। कई स्थानों पर निर्माण कार्य कागजों में पूरा दिखाया गया है, जबकि जमीनी स्तर पर शौचालय व अन्य सुविधाएं नदारद हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से पंचायत भवन की जांच कर अवैध कब्जा हटाने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

प्राथमिक विद्यालय बेलवा महादेवा द्वितीय में वार्षिकोत्सव व परीक्षाफल वितरण सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के प्राथमिक विद्यालय बेलवा महादेवा द्वितीय में वर्ष 2026 का परीक्षाफल वितरण एवं वार्षिकोत्सव ग्राम प्रधान महादेवा श्री सुहेल अहमद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कक्षा 5 के विद्यार्थियों में आदर्श गौड़ और आलोक ने प्रथम स्थान, विजय ने द्वितीय स्थान तथा अनिश्या द्विवेदी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विभिन्न श्रेणियों में भी छात्रों को सम्मानित किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ छात्र का गणेश पुरस्कार आफरीन को, अनुशासन के लिए दिशा को, सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति के लिए नाजिरा और शहजाद को तथा कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वैभव को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आलोक आनंद, सहायक अध्यापक अनिल कुमार यादव, वंदना सिंह, मधु ओमर, सज्जन मौर्य सहित अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों के उत्साह और अभिभावकों की भागीदारी देखने लायक रही।

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस मनाया गया, नितेश पाण्डेय ने कार्यकर्ताओं को दी बधाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता नितेश पाण्डेय ने सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को आत्मसात करते हुए 'अंत्योदय', सुशासन, गरीब कल्याण और सेवा के संकल्प के साथ भाजपा निरंतर माँ भारती की सेवा में समर्पित है। संगठन के निर्देशानुसार उन्होंने बूथ संख्या 62 स्थित अपने आवास पर पार्टी का ध्वज फहराकर संगठन के पितृपुरुषों को नमन किया। बर्डपुर मंडल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं अटल बिहारी वाजपेयी के चित्रों पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मंडल अध्यक्ष अमित उपाध्याय ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है और इसके कार्यकर्ता राष्ट्रहित के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर फूलचंद्र जायसवाल, संतोष उपाध्याय, विनय राव, गंगाराम प्रजापति, शिवम मिश्र, अमित गोस्वामी, शशि जायसवाल, दुर्गेश पाण्डेय, राकेश मिश्र, संतोष कुमार यादव, उमेश कुमार यादव, रुचि उपाध्याय, श्वेता पटवा, रीता जायसवाल, चंद्रवती देवी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग में पुलिया की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। राष्ट्रीय राजमार्ग 730 जो की नगर पंचायत उसका बाजार की सीमा से गुजर रहा है,इसमें कांशीराम नगर वार्ड के पास जलनिकासी के लिए सभासदों ने पुलिया निर्माण की मांग की है। सभासदों ने इस संबंधित प्रार्थना पत्र डीएम को दिया है। इससे प्रभावित वार्ड काशीराम नगर, अंबेडकर नगर, राम नगर कृष्णा नगर आदि वार्डो के सभासदों का कहना है की यहां इंटरलॉकिंग सड़क स्कूल, निर्वाचन बूथ सहित वार्डो को जोड़ता है। इससे सटे निर्माण हो रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिया निर्माण नही हो रहा है। इससे इन वार्डो के नागरिक बारिश के दिनों में जलजमाव की समस्या और घरों के पानी की निकासी से जूझने को मजबूर होंगे।साथ ही सैकड़ों बीघा फसल भी जल जमाव की समस्या की शिकार होगी और लोगो मे जलजनित संक्रामक बीमारी के फैलने की संभावना प्रबल होगी।नगर के प्रमिला देवी ,कल्लू पासवान,दिलीप , अभिषेक त्रिपाठी, अयोध्या शाहू आदि सभासद ने लिखित प्रार्थना पत्र के माध्यम से डीएम से उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग में जल निकासी के लिए पुलिया निर्माण की मांग की है।

बस्ती का 161 वां स्थापना दिवस 6 को: तैयारियां शुरू: होंगे विविध आयोजन– राना दिनेश प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती जिले के 161 वें स्थापना दिवस पर वशिष्ठ महोत्सव मनाया जाएगा। आगामी 5, 6 और 7 मई को खेल,गोष्ठी ,सांस्कृतिक संध्या सहित अनेक आयोजन होंगे। समारोह को गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित करने के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। उक्त जानकारी उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने जारी एक बयान में दिया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 6 मई को बस्ती जनपद की स्थापना के ऐतिहासिक अवसर पर तीन दिवसीय इस भव्य समारोह में प्रदेश के अनेक दिग्गज गायक और कलाकार सम्मिलित होंगे। खो खो सीनियर वर्ग के बालक बालिका की प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता करायी जाएगी। जिला स्तर की सीनियर बालक बालिका हैंडबॉल, वालीबाल, कबड्डी और दौड़ सहित अनेक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी कार्यक्रम अमर शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि महर्षि वशिष्ठ जी के पावन भूमि की पुनर्प्रतिष्ठा के हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। बस्ती जिले के पौराणिक नाम वशिष्ठि के अनुसार अब वशिष्ठ नगर नामकरण महाअभियान तेज किया जाएगा। श्री राना ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के कुलगुरु महर्षि वशिष्ठ जी अपने त्रेता युगीन आश्रम स्थित दिव्य, भव्य मन्दिर में प्रतिष्ठित हो चुके हैं। विश्व में पहली बार वशिष्ठ रामायण कथा के आयोजन का इतिहास भी इस पुण्य भूमि से जुड़ गया है। मखौड़ा धाम, श्रृंगीनारी, गुरु तीर्थ वशिष्ठ धाम, हनुमान बाग चकोही, श्रीराम जानकी मार्ग, देवरहा बाबा की यह पुण्य धरा सनातन धर्म की शिखर पताका है जिसके स्वर्णिम इतिहास सर्व विदित है।

प्रा.वि. नकथर में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव कार्यक्रम, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नकथर में वार्षिकोत्सव एवं अंकपत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता श्याम जायसवाल शामिल रहे। दीप प्रज्ज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। इस दौरान विद्यालय के नन्हे–मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा, उत्साह और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि ने मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का सबसे मजबूत आधार है। विद्यालय परिवार, शिक्षकों और अभिभावकों के समर्पण की सराहना करते हुए सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की कामना की गई। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल, खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार, प्रधानाचार्य पप्पू यादव सहित शिक्षकगण प्रवीण यादव, जीतबहादुर चौधरी, राधेश्याम भारती, धनंजय गुप्ता, सुग्रीव यादव, विंदू शर्मा, कविता यादव, लक्ष्मी बाई सिंह तथा बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

प्रावि रेहरा बाजार में वार्षिकोत्सव व नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

उस्का बाज़ार/सिद्धार्थनगर। विकास खंड उसका बाज़ार अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय रेहरा बाजार में सोमवार को वार्षिकोत्सव एवं नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उन्हें नियमित अध्ययन और अनुशासन का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि परिश्रम और लगन से ही विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया गया, जिससे उनके अध्ययन में सहायता मिल सके। कार्यक्रम में सभासद विभूति अग्रहरि, एआरपी रुपेश सिंह एवं संगीता श्रीवास्तवा सहित अभय श्रीवास्तव, शिखा मिश्रा, संतोष मिश्र, रामायन मिश्र, सोनी मिश्र, पूनमरानी एवं राजेश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम हिंदी में जीशान वर्मा, पुत्र उमेश चंद्र वर्मा अंकित है, जो पूर्णतः सही है। किन्तु अंग्रेजी में मेरा नाम JEESHAN VERMA दर्ज है, जो त्रुटिपूर्ण है। मेरा सही अंग्रेजी नाम ZEESHAN VERMA है।

अतः संबंधित अभिलेखों में मेरे नाम की अंग्रेजी वर्तनी में J के स्थान पर Z किया जाना न्यायसंगत एवं आवश्यक है।

जीशान वर्मा (ZEESHAN VERMA)
पुत्र उमेश चंद्र वर्मा
वार्ड नंबर– 10, चौक बाजार
पोस्ट व तहसील– शोहरतगढ़
जनपद– सिद्धार्थनगर, उ0प्र0।

सिद्धार्थनगर में जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा, आशा कार्यकर्ताओं को दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के विकास खंड नौगढ़ एवं जोगिया में जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता में जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत आशा कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जननी सुरक्षा योजना सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए प्रोत्साहित करना तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए गर्भवती महिलाओं का समय से पंजीकरण सुनिश्चित करें और नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता से ही योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। जिलाधिकारी ने सभी आशाओं को संस्थागत प्रसव के प्रति जागरूकता बढ़ाने और गर्भवती महिलाओं को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाने में सहयोग करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रसव के बाद जच्चा–बच्चा की नियमित देखभाल, टीकाकरण और पोषण पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि कोई भी गर्भवती महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए आशा कार्यकर्ता नियमित क्षेत्र भ्रमण करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान समय से सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभार्थियों का विश्वास बना रहे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आशा कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय बनाकर आवश्यक प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कम डिलीवरी कराने वाली आशाओं को चिन्हित कर उनकी समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.बी. सिंह, डीसीपीएम मान बहादुर, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, आशा संगिनी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया, कार्यकर्ताओं ने किया महान विभूतियों को नमन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। जिला परिषद मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय पर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने वंदे मातरम्, मोदी–योगी के नारों के साथ माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। साथ ही एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। इस मौके पर पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी और हर वर्ष इस दिन को स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने देशभर के समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन उन महान विभूतियों को नमन करने का है, जिन्होंने अपने त्याग, संघर्ष और समर्पण से पार्टी को इस ऊंचाई तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे लोकप्रिय पार्टी के रूप में स्थापित है, जो राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलते हुए जन–जन की सेवा के लिए समर्पित है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र त्रिपाठी ने की, जबकि संचालन अभिषेक त्रिपाठी ने किया। इस दौरान लवकुश ओझा, धर्मराज वर्मा, चंद्र प्रकाश चौधरी, दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, मधुसूदन अग्रहरि, अशोक अग्रहरि, उदयपाल वर्मा, पवनसुत मौर्य, संतोष पासवान, राजकुमार चौधरी, अवधेश चौधरी आदि मौजूद रहे।

सोनवल में गेहूं की क्रॉप कटिंग, डीएम ने परखी पैदावार–38.45 कुंतल प्रति हेक्टेयर उत्पादन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के तहसील नौगढ़ अंतर्गत विकास खंड नौगढ़ के ग्राम पंचायत सोनवल में जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा रबी फसल गेहूं की क्रॉप कटिंग कराकर उत्पादन का आंकलन किया गया। क्रॉप कटिंग के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वेक्षण पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जाए, ताकि वास्तविक उत्पादन का सही आंकलन हो सके। उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन से जुड़े आंकड़े कृषि योजनाओं के निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुझाव लिए। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, गुणवत्तायुक्त बीजों का प्रयोग करने तथा समय पर सिंचाई एवं उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाए। क्रॉप कटिंग के दौरान गाटा संख्या–92 पर किसान अंजनी पत्नी गिरधारी के खेत में 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में कटाई कराई गई, जिसमें 16. 550 किलोग्राम गेहूं उत्पादन प्राप्त हुआ। इसके आधार पर प्रति हेक्टेयर 38.450 कुंतल पैदावार आंकी गई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी, कृषि विभाग के कर्मचारी एवं स्थानीय किसान मौजूद रहे।

जोगिया में आशा–संगिनी समीक्षा बैठक, डीएम बोले–संस्थागत प्रसव बढ़ाएं, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के जोगिया ब्लॉक सभागार में जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा संगिनी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक की समस्त आशा और संगिनी उपस्थित रहीं। जगह कम होने के कारण कई कार्यकर्ताओं को खड़े होकर बैठक में भाग लेना पड़ा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं आशा और संगिनी से संवाद किया और

सरकार की मंशा से अवगत कराते हुए कहा कि 6000 के लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 1300 संस्थागत प्रसव होना चिंता का विषय है। उन्होंने बेहतर कार्य करने वाली आशाओं को सराहा और अर्चना को सर्वाधिक प्रसव कराने पर धन्यवाद दिया। जिलाधिकारी ने तड़ियां बाजार की आशा संगीता, संगिनी सुनीता, फतेहपुर की विंद्रवती तथा बभनी बाजार की सुभाषिनी से संवाद करते हुए संस्थागत प्रसव बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि सभी प्रसव सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर हों, ताकि जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित रह सकें। कम संस्थागत प्रसव पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वीपीएम भी आशा और संगिनी के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता अपने दायित्वों के प्रति लापरवाही बरतेंगे, उनकी सूची उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनके स्थान पर अन्य को अवसर दिया जा सके। बैठक में डॉ. सौरभ चतुर्वेदी, अनस अंसारी, प्रवीण त्रिपाठी तथा डॉ. आर.बी. सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल वाहनों का पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य, डीएम ने एक सप्ताह में डाटा अपलोड के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में एकीकृत विद्यालय वाहन निगरानी पोर्टल के संबंध में विद्यालय प्रबंधकों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विद्यालय प्रबंधकों को निर्देशित किया कि स्कूलों में संचालित सभी वाहनों का एकीकृत विद्यालय वाहन निगरानी पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराया जाए। साथ ही वाहनों की फिटनेस का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा और वाहन से संबंधित सभी डाटा पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर सभी सूचनाएं पोर्टल पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं एआरटीओ को निर्देशित किया कि वे विद्यालय वाहनों की नियमित जांच करें, ताकि छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बैठक के दौरान पीपीटी के माध्यम से पोर्टल की विस्तृत जानकारी भी दी गई, जिससे प्रबंधकों को प्रक्रिया समझने में सुविधा हो। इस अवसर पर एआरटीओ अरुण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक उपस्थित रहे।

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया, कार्यकर्ताओं ने लिया 'सेवा और सुशासन' का संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, विधायकों एवं कार्यकर्ताओं ने ध्वजारोहण किया तथा विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को स्थापित भाजपा आज सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बन चुकी है। उन्होंने पार्टी के गौरवशाली इतिहास और संघर्षों को याद करते हुए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। पूर्व जिलाध्यक्ष लालजी त्रिपाठी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक देश, एक विधान' और दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' के सिद्धांतों को पार्टी की आधारशिला बताया। विधायक राजा जय प्रताप सिंह ने नरेंद्र मोदी एवं योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश में हुए विकास कार्यों को रेखांकित किया। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' भाजपा का मूल मंत्र है और पार्टी इसी संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा के लिए राजनीति सत्ता नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम है। पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे 2047 तक 'विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं और सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में कन्हैया पासवान, साधना चौधरी, शिवनाथ चौधरी, गोविंद माधव सहित कई नेताओं ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री फूलचंद जायसवाल ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पोस्टमार्टम हाउस पर पार्किंग का अभाव, जाम से जूझ रहे लोग–व्यवस्था सुधार की उठी मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज के पास बने पोस्टमार्टम हाउस पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसी भी दुर्घटना या घटना के बाद जब शव पोस्टमार्टम के लिए लाया जाता है, तो वहां बड़ी संख्या में परिजन और अन्य लोग इकट्ठा हो जाते हैं, जिससे आसपास का मार्ग जाम हो जाता है। पार्किंग स्थल के अभाव में लोग अपने वाहन सड़क किनारे खड़े कर देते हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है। स्थिति ऐसी हो जाती है कि वरिष्ठ अधिकारियों के आने–जाने में भी दिक्कतें पैदा हो जाती हैं। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि यहां पार्किंग की व्यवस्था हो जाए, तो भीड़ और जाम की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। डॉ. राकेश कुमार गुप्ता और गोविंद प्रसाद ओझा ने भी इस समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि कई बार इतनी भीड़ हो जाती है कि अंदर आने–जाने में भी कठिनाई होती है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि पोस्टमार्टम हाउस के पास पार्किंग स्थल का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पार्किंग की सुविधा होने से न केवल यातायात सुचारु होगा, बल्कि शोकाकुल परिजनों को भी अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सकेगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक ध्यान देता है।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में झलकी प्रतिभा, नम आँखों से शिक्षकों का हुआ विदाई समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय अटकोनिया में वार्षिकोत्सव, परीक्षाफल वितरण एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों का विदाई सम्मान समारोह हर्षोल्लास और भावनात्मक माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जहां नन्हे–मुन्ने बच्चों ने प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, वहीं वर्षों तक शिक्षा सेवा देने वाले शिक्षकों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीईओ संजय कुमार एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष आदित्य शुक्ला द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद छात्र–छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।वार्षिकोत्सव के अंतर्गत बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। नृत्य, नाटक और समूह गीतों ने उपस्थित अतिथियों व अभिभावकों का मन मोह लिया। छात्रों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास ने सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर कक्षा 1 से 5 तक के मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया जब विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक रामप्रसाद गुप्ता, परसिया विद्यालय वरिष्ठ शिक्षक मणिकांत उपाध्याय एवं जीत बहादुर चौधरी को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किए गये। विदाई गीतों ने पूरे वातावरण को भावुक बना दिया।मुख्य अतिथि बीईओ संजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, वे जीवनभर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाते रहते हैं। उन्होंने शिक्षकों की निस्वार्थ सेवा और समर्पण को अनुकरणीय बताया। जिलाध्यक्ष आदित्य शुक्ला ने कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने वाले सच्चे मार्गदर्शक होते हैं।कोषाध्यक्ष अभय सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों का अनुभव और ज्ञान युवा शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत होता है, जिससे वे अपने कार्य को और बेहतर बना सकते हैं।समारोह के दौरान अतिथियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों ने फूल–माला और अंगवस्त्र भेंटकर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोग भावुक नजर आए।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक संजीव कुमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का सशक्त माध्यम हैं।समारोह का समापन सभी के लिए आयोजित भोजन के साथ हुआ। इस दौरान बीईओ संजय कुमार, जिलाध्यक्ष आदित्य शुक्ला, कोषाध्यक्ष अभय सिंह, अवधेश कुमार सिंह, मणिकांत उपाध्याय, जीतबहादुर चौधरी, रामप्रसाद गुप्ता, इंचार्ज प्रधानाध्यापक संजीव कुमार, दधीचि कुमार अमरेश कुमार, विनोद कुमार बघेल, दीपक कुमार, इंद्रजीत, प्रमोद कुमार, सचमुच तिवारी, बजरंगी, आंशुलरहमान, संतोष यादव, रामानंद पाण्डेय, राकेश राज, अहमद हुसैन, सुनील कुमार, हरेंद्र सिंह, कृष्ण मोहन, देवेश पाठक, रीना, अंचल, शरद पाठक सहित छात्र छात्राओं मौजूद रहे।

सूचना

मेरे सैन्य अभिलेख में मेरी पत्नी इन्द्रावती देवी की जन्मतिथि 1968 लिख दिया गया है जबकि आधार कार्ड पैन कार्ड में जन्म तिथि 15–06–1968 लिखा है जो सत्य है जन्म तिथि सुधार हेतु पत्नी ने शपथ पत्र IN-UP69924955968850Y दिनांक 23–3–2026 को जि0 समक्ष अधिकारी सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश में दर्ज है) मै G.No.175626N MT परशुराम Driver–1 HQ 107 RCC ग्रिफ 99 APO सिक्किम निवासी पचपेड़वा बॉसी सिद्धार्थनगर पिन 272153

my wife Indrawati Devi D.O.B. 1968 has been written inmy army records while date of birth is 15-06- 1968 in Adhaar Card and PEN card which is true maine Affidavit for correction of date of Birth IN-UP 69924955968850Y Dated 23-3-2026 Recorded before District officer Siddharthanagar (UP) mai G.No.175626N MT Parshuram Driver&1 HQ 107 RCC ग्रिफ 99 APO sikkim Resident Panchpadwa, Bansi, siddharthanager (UP) PIN 272153

सम्पादकीय

मुस्लिम बहुल मालदा जिले में 8,67,054 मतदाता अभी विचाराधीन हैं। जहां यह घटना हुई, वहां ही करीब 78,000 मतदाताओं पर निर्णय होना है कि वे 23 और 29 अप्रैल को वोट दे सकेंगे या नहीं! मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने दायित्व से पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने तंज कसा है कि चुनाव आयोग 'सुपर राष्ट्रपति' की तरह काम कर रहा है। बेशक चुनाव के दौरान प्रशासन चुनाव ...

मालदा हिंसा

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में ऐसा हिंसक उत्पात मचाया गया कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की नींद ही उड़ गई। वह आधी रात के बाद 2 बजे तक जागते रहे और प्रयास करते रहे कि 'बंधक' बनाए गए 7 न्यायिक अधिकारी सुरक्षित मुक्त हो जाएं। उन अधिकारियों में 3 महिलाएं भी थीं। प्रधान न्यायाधीश ने कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को फोन किए। मुख्य न्यायाधीश ने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक को फोन कर 'बंधक' अधिकारियों को मुक्त कराने का आग्रह किया। उन्हें 'आश्वस्त' किया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। देश के प्रधान न्यायाधीश का कहना है कि रात के 11 बजे तक मालदा के डीएम और एसएसपी घटनास्थल पर नहीं पहुंचे थे। अधिकारियों को अपराह्न 3.30 बजे के करीब बंधक बनाया गया था। उन 8–9 घंटों के अंतराल में कोई भी अनहोनी हो सकती थी! हजारों की भीड़ उस दफ्तर के बाहर बेहद उत्तेजित और आक्रोशित थी। उनके हाथों में लाठियां, डंडे, पत्थर थे। भीड़ ने कारें तोड़ीं, उनमें आग लगाई और पथराव किए। कमोबेश यह लोकतंत्र की अभिव्यक्ति नहीं थी। यह गुंडागर्दी ही नहीं, खतरनाक जंगलराज का मंजर था। अंततरू जस्टिस सूर्यकांत को मौखिक आदेश देना पड़ा और सुरक्षा बलों ने उन न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षित मुक्त कराया। सर्वोच्च अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, कानून–व्यवस्था के पुलिस प्रमुख, क्षेत्र के पुलिस आयुक्त और जिले के डीएम, एसएसपी को 'कारण बताओ नोटिस' जारी कर 6 अप्रैल को अदालत में ऑनलाइन पेश होने के आदेश दिए हैं। हम इसे पर्याप्त नहीं मानते। संभव है कि कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया ऐसे ही चलती होगी, लेकिन भीड़ ने न्यायिक अधिकारियों पर जिस तरह हमला किया और उन्हें करीब 9 घंटे तक 'बंधक' बनाए रखा, कमोबेश यह लोकतांत्रिक कलंक है, न्याय और कानून–व्यवस्था का हमलावर उल्लंघन है और लोकसेवकों के काम में आपराधिक अड़चन है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने भी माना है कि यह कोई सामान्य घटना नहीं, साजिश और आपराधिक अवमानना है। हर कोई राजनीतिक भाषा बोल रहा है। दरअसल यह न्यायिक अधिकारियों पर मनोवैज्ञानिक हमला है। अब सवाल यह है कि क्या यह उन लोगों की आक्रामक प्रतिक्रिया, गुस्सा, आक्रोश है, जिनके मताधिकार छीन लिए गए? किन्हीं भी कारणों से उनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए? लिहाजा यह घटना उत्पात, हुड़दंग, हिंसा के अलावा, चुनाव आयोग के लिए एक गंभीर चुनौती भी है। आयोग को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर तटस्थ और गैर–राजनीतिक तौर से पुनर्विचार करना चाहिए। संविधान ने चुनाव आयोग को शक्तियां दी हैं, तो देश के नागरिकों को भी मौलिक अधिकार दिए हैं। बंगाल में 50 लाख से अधिक मतदाताओं को 'तार्किक विसंगति श्रेणी' में रखा गया था। उनमें से करीब 13 लाख मतदाताओं पर अभी अंतिम निर्णय लिया जाना है। सर्वोच्च अदालत के आदेश पर न्यायिक अधिकारी उसी जांच में जुटे रहे हैं। मुस्लिम बहुल मालदा जिले में 8,67,054 मतदाता अभी विचाराधीन हैं। जहां यह घटना हुई, वहां ही करीब 78,000 मतदाताओं पर निर्णय होना है कि वे 23 और 29 अप्रैल को वोट दे सकेंगे या नहीं! मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने दायित्व से पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने तंज कसा है कि चुनाव आयोग 'सुपर राष्ट्रपति' की तरह काम कर रहा है। बेशक चुनाव के दौरान प्रशासन चुनाव आयोग के प्रति जवाबदेह होता है। आयोग ने बंगाल में 474 अधिकारियों को बदला है, लेकिन लगता है कि नए प्रशासनिक अधिकारी भी 'ममतामय' हैं। बहरहाल, सवाल है कि क्या मतदान और पूरा चुनाव निष्पक्ष, तटस्थ हो सकेगा? सभी अधिकारियों को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए।

माता सती अनुसूया जयंती

वैशाख मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सती अनुसूया जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष यह पावन तिथि 6 अप्रैल को आ रही है। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है कि सती अनुसूया ने नारी धर्म की ऐसी पराकाष्ठा को सिद्ध किया, जिसे आज तक कोई लांघ नहीं सका३. हिंदू धर्म में नारी शक्ति की उपमा जब भी दी जाती है, तो सबसे पहले जिनका नाम स्मरण होता है, वह है सती अनुसूया। वे तप, त्याग और पतिव्रता धर्म की मूर्ति थीं। वैशाख मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सती अनुसूया जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष यह पावन तिथि 6 अप्रैल को आ रही है। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है कि सती अनुसूया ने नारी धर्म की ऐसी पराकाष्ठा को सिद्ध किया, जिसे आज तक कोई लांघ नहीं सका। वे प्रजापति कर्दम और देवी देवहूति की पुत्री तथा महर्षि अत्रि की धर्मपत्नी थीं। उनकी विद्या, विनय, सेवा और तप की ख्याति तीनों लोकों में थी। अनुसूया न केवल पतिव्रता थीं, बल्कि एक तपस्विनी, साध्वी और महान संत भी थीं। उन्होंने कठोर तप करके मंदाकिनी नदी को धरती पर अवतरित किया। कहा जाता है कि उनके तेज से आकाशमार्ग से गुजरते देवता तक प्रभावित होते थे। उनकी गणना पंचसतियों में सबसे पहले की जाती है, जिनमें द्रौपदी, मंदोदरी, सुलोचना और सावित्री शामिल हैं। उनके पतिव्रत की महिमा इतनी महान थी कि ब्रह्मा, विष्णु और महेश तक उनकी परीक्षा लेने के लिए बाध्य हो गए। सती अनुसूया का जीवन केवल एक आदर्श पत्नी का ही नहीं, बल्कि मातृत्व और सेवा भावना की भी चरम अभिव्यक्ति है। आज भी महिलाएं इस दिन व्रत रखकर अपने पति की लंबी उम्र और सुखमय जीवन की कामना करते हुए अनुसूया माता का पूजन करती हैं। त्रिदेवों की परीक्षा और मातृत्व की विजय–एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार देवर्षि नारद पृथ्वी लोक से भ्रमण करते हुए देवी लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती के पास पहुंचे। नारदजी ने तीनों से कहा कि ऋषि अत्रि की पत्नी अनुसूया के पतिव्रत धर्म की महिमा तीनों लोकों में अद्वितीय है। यह सुनकर तीनों देवियां ईर्ष्या वश उनके पतिव्रत की परीक्षा लेना चाहती थीं। उन्होंने अपने–अपने पति ब्रह्मा, विष्णु और महेश से अनुरोध किया। तीनों देवता अनुसूया की कुटिया पर पहुंचे और भिक्षा मांगते हुए कहा कि वे तभी भोजन करेंगे जब वह निर्वस्त्र होकर उन्हें भोजन कराएंगी। अनुसूया यह समझ गईं कि ये अतिथि साधारण नहीं हैं। उन्होंने अपने पति का स्मरण करते हुए मन ही मन कहा, यदि मेरा पतिव्रत अखंड है, तो ये तीनों अतिथि शिशु बन जाएं। इतना कहते हुए उन्होंने उन पर जल छिडका और तीनों त्रिदेव बालक रूप में बदल गए। अनुसूया ने मातृत्व भाव से तीनों को भोजन कराया और पालने में सुला दिया। इधर जब देवता नहीं लौटे, तो तीनों देवियां चिंतित होकर नारदजी के साथ आश्रम पहुंचीं। उन्होंने शिशु रूप में त्रिदेवों को देखा और अनुसूया से क्षमा याचना की। अनुसूया ने फिर जल छिडककर उन्हें उनके वास्तविक रूप में लौटा दिया। त्रिदेव अत्यंत प्रसन्न हुए और वरदान दिया कि वे 'दत्तात्रेय' नाम से उनके पुत्र के रूप में जन्म लेंगे। इस प्रकार सती अनुसूया का जीवन नारी धर्म, साधना और मातृत्व की अद्वितीय मिसाल बनकर आज भी पूजनीय है।

धीरे-धीरे हकीकत में बदल रहे हैं भारत के ईरान युद्ध के डर

विश्लेषकों ने पहले ही मध्यम तनाव की स्थिति में 98 रुपये प्रति डालर को एक संभावित बिंदु के रूप में सुझाया है, जबकि संघर्ष के लंबे समय तक चलने और ऊर्जा व्यवधान के स्थायी होने की स्थिति में कहीं अधिक गंभीर परिणामों पर चर्चा की जा रही है। इसका मतलब है कि 100 का स्तर अब अकल्पनीय नहीं है। लेकिन मुद्रा के संदर्भ में वर्तमान स्तर से 100 तक की दूरी अभी भी काफी अधिक है, और इसके लिए...

के. रवींद्रन

अगर विदेशी निवेशक अपना निवेश वापस लेते रहते हैं, तो घरेलू संस्थान बाजारों को सहारा तो दे सकते हैं, लेकिन खोए हुए बाहरी भरोसे की पूरी तरह भरपाई नहीं कर सकते। भारत ने पहले भी बाहरी झटकों का सामना किया है और अभी भी भंडार, ईंधन मूल्य निर्धारण पर प्रशासनिक नियंत्रण और व्यापक घरेलू निवेशक आधार सहित कई सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। ईरान युद्ध को लेकर भारत की सबसे गहरी आर्थिक चिंताएं अब काल्पनिक नहीं रह गई हैं। ये धीरे–धीरे सामने आ रही हैं, और उस क्रम में जिसका नीति निर्माताओं को शुरू से ही डर था। एक दूरस्थ लेकिन ऊर्जा–महत्वपूर्ण क्षेत्र में भू–राजनीतिक संघर्ष के रूप में शुरू हुआ यह मामला अब भारतीय रसोई, कारखानों, एयरलाइन बैलेंस शीट और मुद्रा बाजारों तक पहुंच गया है। पहला चेतावनी संकेत हमेशा ईंधन और गैस आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान ही रहा है। यह व्यवधान अब पूरी ताकत से आ चुका है, जिससे अधिकारियों और बाजार प्रतिभागियों के अनुसार दशकों में सबसे गंभीर गैस संकट पैदा हो गया है। एक अप्रैल को वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतें फिर से बढ़ा दी गईं, औद्योगिक उपयोग को प्रतिबंधित करके घरेलू आपूर्ति को सुरक्षित रखा गया है, और विकल्पों की तलाश ने पहले ही सभी क्षेत्रों में उत्पादन लागत को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में एलपीजी केवल एक उपभोक्ता ईंधन नहीं है। यह घरेलू कल्याण, छोटे व्यवसायों की व्यवहार्यता और राजनीतिक संवेदनशीलता

के चौराहे पर स्थित है। कमी या कीमतों में अचानक वृद्धि केवल ऊर्जा व्यापारियों तक ही सीमित नहीं रहती। यह रेस्तरां, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, सिरेमिक इकाइयों, धातु कार्यशालाओं और अन्य उन समूहों तक तेजी से फैलती है जो वाणिज्यिक सिलिंडरों या गैस–आधारित इनपुट पर निर्भर हैं। एक बार जब औद्योगिक और वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को सीमित आपूर्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, तो वे या तो बहुत अधिक कीमत चुकाते हैं या डीजल जैसे महंगे विकल्पों की ओर रुख करते हैं। यह प्रतिस्थापन फिर ऊर्जा श्रृंखला में अन्य जगहों पर दबाव को और गहरा कर देता है। दूसरे शब्दों में, एलपीजी संकट युद्ध का प्रकारान्तर से दुष्प्रभाव नहीं है। यह व्यापक मुद्रास्फीति संचरण तंत्र में पहली स्पष्ट दरार है। भारत आपूर्ति को राशन कर सकता है, चरणबद्ध कर सकता है और मोड़ सकता है, लेकिन ये आपातकालीन प्रबंधन उपकरण हैं, स्थायी समाधान नहीं। दूसरा डर कच्चे तेल का था, और यह हमेशा से अधिक अनुमानित झटका था। आयातित तेल पर भारत की भारी निर्भरता खाड़ी देशों में अस्थिरता की स्थिति में इसे अत्यधिक असुरक्षित बना देती है। एक बार जब युद्ध तेज हो गया और होर्मुज जलडमरूमध्य एक वास्तविक रणनीतिक जोखिम बन गया, तो पेट्रोलियम की कीमतों में वृद्धि केवल समय की बात थी। मार्च में अभूतपूर्व उछाल के बाद ब्रेंटक्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई है, जबकि पूर्वानुमानकर्ताओं ने इस वर्ष के लिए अपने तेल अनुमानों में भारी संशोधन किया है। भारत के लिए, यह केवल आयात बिल की समस्या नहीं है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें परिवहन, उर्वरक, विमानन, विनिर्माण, रसद और मुद्रास्फीति की उम्मीदों पर एक साथ असर डालती हैं। नई दिल्ली ने झटके को कम करने के लिए ईंधन उत्पाद शुल्क में कटौती की है, लेकिन ऐसे कदम उपभोक्ताओं, तेल कंपनियों और सरकारी खजाने के बीच दर्द का केवल पुनर्वितरण करते हैं। वे इसे खत्म नहीं करते। यहीं पर रुपये पर विशेष ध्यान दिया जाता है। मुद्रा युद्ध के प्रति भारत की संवेदनशीलता की सबसे स्पष्ट बाजार अभिव्यक्ति बन गई है। तेल की ऊंची कीमतें चालू खाते के दृष्टिकोण को खराब करती हैं। पहले से ही सतर्क विदेशी निवेशक इक्विटी और बॉन्ड से पैसा निकाल रहे हैं। वैश्विक जोखिम से बचने की प्रवृत्ति पूंजी को डॉलर की ओर धकेल रही है। इनमें से प्रत्येक कारक अपने आप में असहज करने वाला है। संयुक्त रूप से, वे बाहरी दबाव पैदा करते हैं। रुपया डॉलर के मुकाबले 94 से नीचे के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिर गया है और वित्तीय वर्ष में एशिया की सबसे कमजोर मुद्राओं में गिना गया है, कई गणनाओं के अनुसार इसका मूल्यह्रास लगभग 10 प्रतिशत या उससे अधिक रहा है। इससे उपयोगकर्ता का दृष्टिकोण मोटे तौर पर सही साबित होता हैरू मुद्रा तेल संकट, पोर्टफोलियो बहिर्वाह और भू–राजनीतिक अनिश्चितता के संयुक्त प्रभावों से भारी दबाव में है, न कि अलग–अलग प्रभावों से। फिर भी, रुपये के 100 प्रति डॉलर के स्तर को पार करने के प्रश्न के लिए अधिक सावधानीपूर्वक विश्लेषण की आवश्यकता है। यह अब कोई अप्रत्याशित परिदृश्य नहीं है, लेकिन यह तत्काल निश्चित भी नहीं है। बाजार गोल संख्याओं को मनोवैज्ञानिक सीमा के रूप में देखते हैं क्योंकि वे वास्तव में पहुंचने से पहले ही व्यवहार को बदल सकती हैं। आयात कहेजिंग के लिए दौड़ पड़ते हैं, निर्यातक मुद्रा रूपांतरण में देरी करते हैं, परिवार समाचारों पर ध्यान देते हैं, और अटकलें तेज हो जाती हैं।

5 हजार से अधिक शहीद सुरक्षा बलों के जवानों की विधवाओं के लिए भी कु छ नहीं लिखा गया। इनकी मानवता का यह दोहरा चरित्र मैं स्वीकार नहीं करता– ये मानवतावादी नहीं, बल्कि नक्सल समर्थक हैं।श आश्चर्य की बात है कि देश के गृहमंत्री ने संविधान सम्मत दो दलों माकपा और भाकपा पर सीधे–सीधे आरोप लगा दिया कि वे सशस्त्र विद्रोह के जरिए संसदीय प्रणाली को खत्म करना चाहते थे...

नक्सलवाद पर सरकार की सोच

उसी का शहर वही मुद्दई वही मुंसिफ। हमें यकीं था हमारा कुछ सूर निकलेगा।। अमीर कघ्जलबाश के इस शेर का मतलब भाजपा के लोग ही अब बेहतर समझेंगे और समझाएंगे। क्योंकि शासन भी उन्हीं का है, दावे भी उन्हीं के हैं और सच–झूठ ठहराने का हक भी उन्होंने अपने पास ही रखा है। देश की तमाम समस्याओं के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराने का चलन भी भाजपा का ही है। फिर चाहे वह आतंकवाद हो, पड़ोसी देशों से संबंध हों, महंगाई या बेरोजगारी हो या नक्सलवाद हो। हर बात के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना ही इस सरकार की खास पहचान है। बहरहाल, ऊपर लिखी इन पंक्तियों की याद केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस दावे के बाद आई, जिसमें भारत से नक्सलवाद को खत्म बताया गया है। पाठक जानते हैं कि अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सलमुक्त कराने की बात कही थी। और सोमवार 30 मार्च को लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने के प्रयासों पर चल रही चर्चा के दौरान कहा कि सबसे पहले मैं रेड कॉरिडोर के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र, जिसमें 12 राज्य और 70 प्रतिशत का भूभाग शामिल थे, उसमें रह रही जनसंख्या की तरफ से सदन को धन्यवाद देना चाहता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग–लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने की मुहिम चली। बस्तर के अंदर हर गांव में राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि जो लोग कह रहे हैं कि

अब तक आदिवासियों का विकास क्यों नहीं हुआ? तो, वो खुद बताएं कि 70 सालों से उन्होंने क्या किया? गृहमंत्री की कही इस एक पंक्ति से जाहिर हो गया कि भाजपा के लिए नक्सलमुक्त भारत बनाने की उपलब्धि का ज्यादा महत्व इसलिए है क्योंकि इसके जरिए कांग्रेस और वामदलों को घेरा जा सकता है। वर्ना नक्सलवाद देश के लिए एक ऐसी समस्या बनी हुई थी या अब भी है, जिसकी चपेट में न केवल कांग्रेस, बल्कि भाजपा, वामदल और कई क्षेत्रीय दल भी आए हुए हैं। प.बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार इन तमाम राज्यों में कांग्रेस, भाजपा अथवा क्षेत्रीय दलों की सरकारें रहीं और बरसों–बरस इन सभी सरकारों ने नक्सलियों से मोर्चा लिया। इनके नेता नक्सलियों के निशाने पर बने रहे।

बेशक नक्सलवाद पर राजनीति करने के कारण ही इसका समाधान ढूंढने में कठिनाइयां हुईं। नक्सलियों को कभी मुख्यधारा में लाने की कोशिशें हुईं कभी उनसे मुठभेड़ें हुईं कभी नक्सलियों के शीर्ष नेताओं पर ईनाम रखे गए, कभी सलवा जुडूम जैसे उपायों से ग्रामीणों को अपने साथ लेकर सरकार ने मुकाबला करना चाहा। इन तमाम उपायों में कभी सफलता मिली, कभी असफलता, तो कभी गंभीर विवाद खड़े हुए। इसकी बड़ी वजह यही है कि नक्सलवाद को काले या सफेद रंग में बांट कर विश्लेषित नहीं किया जा सकता। यह एक गुत्थियों में उलझा हुआ मसला है, जिसके हरेक सिरे को बड़ी सावधानी से पकड़ने और अलग करने की जरूरत है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों ने अक्सर वाहवाही बटोरने के लिए कठोर कार्रवाइयां करने का दावा किया और कई बार यह बताया कि नक्सली हताश हो चुके हैं, कमजोर पड़ चुके हैं। लेकिन फिर कोई बड़ा हमला होता तो सरकारें इसे कायरता का प्रतीक बताकर फिर इसे कुचलने का प्रण ले लेतीं। यह सिलसिला बरसों बरस चलता रहा। इसी में छत्तीसगढ़ बनने के बाद झीरम घाटी जैसा भयावह हमला भी हुआ, जिसमें राज्य कांग्रेस की पहली पंक्ति ही लगभग खत्म हो गई। इस दौरान सरकार भाजपा की थी, जबकि केंद्र में यूपीए सरकार थी। इस बड़े हमले से नक्सलवाद की गंभीरता को समझा जा सकता था, लेकिन तब भी एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप चलते रहे। इस बीच जिन कारणों से नक्सलवाद पनपा और फैला, उन पर सार्थक चर्चाएं न के बराबर रहीं। कोई आदिवासियों, गरीबों, मजदूरों के हक की बात करें तो उसे नक्सल समर्थक ठहरा दिया जाए, या वामपंथी विचारों का समर्थन करे तो उसे देशविरोधी की तरह देखा जाए, इसी मानसिकता को बढ़ावा दिया गया। अफसोस कि जब नक्सलवाद खत्म करने के दावे पर केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, वह तब भी इस मानसिकता से मुक्त नजर नहीं आ रही है। अमित शाह ने संसद में वामदलों के बारे में जो कहा वो गौरतलब है, श्री शाह ने कहा कि 1969 में भारत में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी), या सीपीआई (मार्क्सवादी), की स्थापना हुई, इसका प्राथमिक उद्देश्य न तो राष्ट्र का विकास था और न ही नागरिकों के अधिकारों की रक्षा। इसके बजाय, पार्टी का संवैधानिक लक्ष्य चीन और रूस के उदाहरणों का अनुसरण करते हुए सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से संसदीय प्रणाली को उखाड़ फेंकना था। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए वामपंथियों ने भोले–भाले आदिवासियों को बरगलाया। नक्सलवाद गरीबी के कारण नहीं फैला, बल्कि नक्सलवाद के कारण इन पूरे क्षेत्र में सालों तक गरीबी रही। नक्सलवाद की जड़ें गरीबी और विकास से जुड़ी नहीं है, वो वैचारिक है। इसके अलावा अर्बन नक्सल शब्द का इस्तेमाल करते हुए अमित शाह ने कहा, श्मैं उन अर्बन नक्सलों से सवाल करना चाहता हूं– इनके सभी आर्टिकल हथियार उठाकर घूमने वालों से बातचीत करने की बात करते हैं, लेकिन उनके द्वारा मारे गए निर्दोष लोगों के बारे में क्यों नहीं लिखते? एक भी आर्टिकल उस मां के लिए नहीं है, जिसके बच्चे को जबरन उठाकर नक्सली बना दिया गया, या उस किसान के लिए नहीं है जिसके पैर उड़ा दिए गए।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ट्रंप की चेतावनी से पहले बड़ा खेल, हवाई हमले में ईरान के खुफिया प्रमुख की मौत

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष 38वें दिन में प्रवेश कर चुका है और इसके धीमा होने के कोई आसार नहीं हैं। हालात हर घंटे और गंभीर होते जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को दी गई समय सीमा 24 घंटे बढ़ा दी है और चेतावनी दी है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा नहीं खोलता है तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने ष्मंगलवार, रात 8रू00 बजे पूर्वी समय!ष लिखकर यह स्पष्ट कर दिया कि समय कम होता जा रहा है। इससे पहले, उन्होंने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि ईरान को ष्नरकष का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें बिजली संयंत्रों और पुलों पर अमेरिकी हमले भी शामिल हैं। ईरान ने तुरंत जवाब देते हुए कहा कि वह किसी भी हमले का ष्जैसे को तैसाष जवाब देगा। इसी बीच, जमीनी हालात और भी बिगड़ते जा रहे हैं। अमेरिका ने पुष्टि की है कि ईरान में एक लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उसने दूसरे पायलट को बचा लिया है, हालांकि खबरों के मुताबिक उस इलाके में हुए हमलों में कई लोग मारे गए हैं। इजराइल में, हाइफा में एक मिसाइल ने एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाया, जिसमें कई लोग घायल हुए और कुछ लापता हो गए। खाड़ी क्षेत्र में, कुवैत में प्रमुख ऊर्जा सुविधाओं को भी निशाना बनाया गया है, जिससे भारी नुकसान हुआ है। इस बीच, बेरूत के पास समेत लेबनान के कुछ हिस्सों में इजराइली हमले जारी हैं, जहां हताहतों की खबरें आई हैं। तनाव अब संघर्ष क्षेत्र से बाहर भी फैल रहा है, और चेतावनी दी गई है कि अगर स्थिति और बिगड़ती है तो बाब अल–मंडाब जलडमरूमध्य जैसे अन्य महत्वपूर्ण मार्गों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

कतर ने शांति की अपील की, गंभीर परिणामों की चेतावनी दीः कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी ने मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीकों से सुलझाने का आग्रह किया है और चेतावनी दी है कि आगे सैन्य तनाव बढ़ने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। कतर के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अल थानी ने स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस के साथ फोन पर बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में ईरान की कार्रवाइयों को रोकने

की आवश्यकता पर जोर दिया और बातचीत को तुरंत फिर से शुरू करने का आह्वान किया।

तेहरान में अस्पताल खाली कराए गए, स्वास्थ्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त हुईंः ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि फरवरी के अंत में शुरू हुए अमेरिकी–इजरायली हवाई हमलों के बाद से राजधानी के आठ अस्पतालों को खाली करा लिया गया है। ये निकासी लगातार हमलों के कारण चिकित्सा बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताओं के मद्देनजर की गई है। मंत्रालय के अनुसार, नुकसान व्यापक रहा है, जिसमें अब तक 54 आपातकालीन केंद्र, 46 चिकित्सा इकाइयां, 216 स्वास्थ्य केंद्र और 41 एम्बुलेंस प्रभावित हुए हैं।

ईरान से F–15 विमान के चालक दल को बचाने में इजराइल ने अमेरिका की कैसे मदद की?

ईरान द्वारा अपने क्षेत्र में अमेरिकी **F-15E** स्ट्राइक ईगल विमान को मार गिराए जाने के लगभग 48 घंटे बाद, रविवार को अमेरिकी सेना ने दुर्घटनाग्रस्त विमान के दूसरे चालक दल के सदस्य को बचा लिया। यह बचाव अभियान केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) द्वारा किए गए एक सुनियोजित ध्धोखाधड़ी अभियानष के बाद ही संभव हो पाया। अब इस ष्साहसिकष बचाव अभियान के बारे में नए विवरण सामने आए हैं, जिनमें दावा किया गया है कि इस अभियान में इजराइल ने भी अमेरिकी सेना का समर्थन किया था।

भारतीय ध्वज वाला एक और जहाज ग्रीन आशा होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गया

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बावजूद, भारतीय ध्वज वाले जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार कर रहे हैं, जिससे जहाजरानी और ऊर्जा आपूर्ति संबंधी चिंताओं में कुछ राहत मिली है। नवीनतम जहाज, ग्रीन आशा ने अपना पारगमन पूरा कर लिया है, और 28 फरवरी को क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने के बाद से इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने वाला यह आठवां भारतीय ध्वज वाला जहाज बन गया है।

ईरानी हमले के मलबे से कुवैत के रिहायशी इलाके में छह लोग घायलः कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि ईरानी हमले के बाद देश के उत्तरी हिस्से में एक रिहायशी इलाके में बम और छर्रे गिरने से छह लोग घायल हो गए। कुवैत समाचार एजेंसी (ज्ञन्छ।) के अनुसार, आपातकालीन चिकित्सा दल और एम्बुलेंस सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायलों का इलाज करते हुए उन्हें पास के अस्पतालों में पहुंचाया।

इमारत पर हवाई हमले, 13 लोगों की मौत

ईरान की राजधानी तेहरान के दक्षिण–पश्चिम में स्थित एक शहर की एक रिहायशी इमारत पर हुए हवाई हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। ईरानी मीडिया ने यह जानकारी दी। अर्ध–सरकारी समाचार एजेंसी फार्स और नूर न्यूज ने बताया कि यह हमला इस्लामशहर के पास हुआ। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि इस इमारत को क्यों निशाना बनाया गया। सोमवार सुबह हुए इन हमलों की जिम्मेदारी न तो इजराइल और न ही अमेरिका ने ली है। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उसे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना होगा। इस बीच, तेहरान में सोमवार तड़के हुए कई हवाई हमलों में शरीफ प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया ने इन हमलों और वहां इमारतों को हुए नुकसान की जानकारी दी, साथ ही परिसर के पास स्थित प्राकृतिक गैस वितरण केंद्र पर भी असर पड़ने की बात कही। यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया कि विश्वविद्यालय परिसर के अंदर किस चीज को निशाना बनाया गया। युद्ध के कारण ऑनलाइन कक्षाएं ली जा रही हैं, जिसकी वजह से विश्वविद्यालय खाली है। इस विश्वविद्यालय पर वर्षों से कई देशों ने प्रतिबंध लगा रखे हैं क्योंकि इसका सैन्य कार्यों, खासकर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से संबंध रहा है।

ट्रंप की नई धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान और उसके बुनियादी ढांचे पर हमले तेज करने की नयी और अपशब्दों से भरी धमकियां दीं। ट्रंप ने कहा कि यदि ईरान उनकी ओर से तय समय सीमा तक होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता है तो उसपर हमले तेज कर दिए जाएंगे। यह धमकी अमेरिकी सेना द्वारा उस पायलट को बचाने के बाद दी गई जिसका विमान ईरान द्वारा मार गिराया गया था। अमेरिका का यह विमान दुश्मन के क्षेत्र में गिरा था। ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य खोले या फिर विनाशकारी परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, ''याद है जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन का समय दिया था?'' उन्होंने कहा, ''समय तेजी से बीत रहा है – 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।'' ईरान ने अड़ियल रवैया अपनाते हुए पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया है और खाड़ी के अरब देशों के बुनियादी ढांचे पर हमले किए तथा बचाव अभियान के बारे में अमेरिकी बयान को चुनौती दी। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, संयुक्त सैन्य कमान के प्रमुख जनरल अली अब्दुल्ला अलीबादी ने ट्रंप की हालिया ध मकी के जवाब में कहा, ''यदि ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया, तो दुश्मनों के लिए जहन्नुम के दरवाजे खोल दिए जाएंगे।

स्टार हॉस्पिटल बस्ती में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, कब्ज और गैस्ट्रो रोगों को लेकर विशेषज्ञों ने दी महत्वपूर्ण सलाह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से स्टार हॉस्पिटल बस्ती लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं और अनुभवी चिकित्सकों की टीम के माध्यम से मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में गैस्ट्रो एवं पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों को लेकर डॉ. चन्द्रमौली मिश्रा (डीएम गैस्ट्रो) ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। डॉ. मिश्रा ने बताया कि वर्तमान समय में लोगों की बदलती जीवनशैली और खान–पान की गलत आदतें कई गंभीर बीमारियों का कारण बन रही हैं। विशेष रूप से फास्ट फूड का अधिक सेवन, अनियमित दिनचर्या और शारीरिक गतिविधियों की कमी कब्जियत (कॉन्स्टिपेशन) की समस्या को बढ़ा रही है। उन्होंने

कहा कि कब्ज एक सामान्य समस्या लगती है, लेकिन यदि इसे समय पर नियंत्रित न किया जाए तो यह धीरे–धीरे गंभीर रूप ले सकती है। उन्होंने बताया कि कब्ज के कारण शरीर में एसिडिटी बढ़ती है, जिससे पाचन तंत्र प्रभावित होता है। लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर पाइल्स (बवासीर), फिस्टुला और अन्य गुदा रोग उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसे मामलों में मरीजों को अधिक पीड़ा और जटिल उपचार का सामना करना पड़ता है। डॉ. मिश्रा ने विशेष रूप से महिलाओं में इस समस्या के प्रति जागरूकता की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं संकोच या शर्म के कारण अपनी समस्या किसी से साझा नहीं कर पाती हैं। इसके चलते वे मेडिकल स्टोर से बिना सलाह के दवाएं ले लेती हैं, जो कई बार स्थिति को और गंभीर बना देती हैं। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि किसी भी स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज न करें और सीधे विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वयं उपचार (सेल्फ–मेडिकेशन) से बचना चाहिए, क्योंकि हर मरीज की स्थिति अलग होती है और सही इलाज केवल प्रशिक्षित चिकित्सक ही निर्धारित कर सकता है। समय पर सही इलाज लेने से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है। इस अवसर पर हॉस्पिटल के प्रबंधक एहतशाम ने बताया कि स्टार हॉस्पिटल बस्ती में सभी प्रकार की आधुनिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में गैस्ट्रो, जनरल मेडिसिन, सर्जरी समेत विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद हैं, जो मरीजों को समुचित इलाज प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के तहत भी मरीजों को उपचार की सुविधा दी जा रही है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को यहां विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि कोई भी व्यक्ति पैसों की कमी के कारण इलाज से वंचित न रह जाए। अस्पताल प्रबंधन का उद्देश्य है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। अंत में, डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन ने लोगों से अपील की कि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें और किसी भी बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। जागरूकता और समय पर उपचार ही बेहतर स्वास्थ्य का मूलमंत्र है।

बस्ती का 161 वां स्थापना दिवस 6 कोः तैयारियां शुरूः होंगे विविध आयोजन– राना दिनेश प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती जिले के 161 वें स्थापना दिवस पर वशिष्ठ महोत्सव मनाया जाएगा। आगामी 5, 6 और 7 मई को खेल,गोष्ठी ,सांस्तिक संध्या सहित अनेक आयोजन होंगे। समारोह को गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित करने के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। उक्त जानकारी उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने जारी एक बयान में दिया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 6 मई को बस्ती जनपद की स्थापना के ऐतिहासिक अवसर पर तीन दिवसीय इस भव्य समारोह में प्रदेश के अनेक दिग्गज गायक और कलाकार सम्मिलित होंगे। खो खो सीनियर वर्ग के बालक बालिका की प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता करायी जाएगी। जिला स्तर की सीनियर बालक

बालिका हैंडबॉल, वालीबाल, कबड्डी और दौड़ सहित अनेक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी कार्यक्रम अमर शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि महर्षि वशिष्ठ जी के पावन भूमि की पुनर्प्रतिष्ठा के हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। बस्ती जिले के पौराणिक नाम वशिष्ठि के अनुसार अब वशिष्ठ नगर नामकरण महाअभियान तेज किया जाएगा। श्री राना ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के कुलगुरु महर्षि वशिष्ठ जी अपने त्रेता युगीन आश्रम स्थित दिव्य, भव्य मन्दिर में प्रतिष्ठित हो चुके हैं। विश्व में पहली बार वशिष्ठ रामायण कथा के आयोजन का इतिहास भी इस पुण्य भूमि से जुड़ गया है। मखौड़ा धाम, श्रृंगीनारी, गुरु तीर्थ वशिष्ठ धाम, हनुमान बाग चकोही, श्रीराम जानकी मार्ग, देवरहा बाबा की यह पुण्य धरा सनातन धर्म की शिखर पताका है जिसके स्वर्णिम इतिहास सर्व विदित है।

शोहरतगढ़ कस्बे में सीओ ने किया पैदल गश्त, दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सोमवार को क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने स्थानीय पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गश्त के दौरान सीओ ने रेलवे स्टेशन, प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से संवाद कर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील भी की। इस दौरान उन्होंने प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए कानून–व्यवस्था को हर हाल में सु.ढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। जानकारों के अनुसार शोहरतगढ़ पुलिस पूरी तरह सतर्क है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ–साथ सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी को समय रहते रोका जा सके। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सूचना की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, जिससे क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखा जा सके। इस दौरान इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर सुभाष यादव का. दिनेश यादव, का. प्रभाकर यादव आदि मौजूद रहे।

आगरा में जादूगरों का अनोखा कारनामा जादूगर मिस्टर इंडिया को मिला जीनियस वर्ड रिकॉर्ड सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के जादूगर को आगरा शहर में आयोजित महान जादूगर ओपी शर्मा स्मृति सम्मान समारोह के दौरान जादूगर जूनियर ओपी शर्मा के संरक्षण में जादू की दुनिया का एक अनोखा और ऐतिहासिक नज़ारा देखने को मिला। 1 अप्रैल 2026 को संजय प्लेस स्थित यूथ हॉस्टल में आयोजित पर्यावरण संरक्षण के तहत जन जागरूकता इस कार्यक्रम में 100 से अधिक जादूगरों ने मिलकर एक ही गमले में जादुई अंदाज़ में पौधा उगाकर विश्व रिकॉर्ड बना दिया।इस अद्भुत उपलब्धि के दौरान जनपद गोण्डा के अन्तर्राष्ट्रीय जादूगर मिस्टर इंडिया का

नाम जीनियस वर्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों और जादू प्रेमियों को आश्चर्यचकित कर दिया। देश के विभिन्न हिस्सों से आए जादूगरों ने अपनी कला और सामूहिक प्रदर्शन से इस रिकॉर्ड को सफल बनाया।इस खास मौके पर इंटरनेशनल मैजिशियन मिस्टर इंडिया गोंडा को भी सम्मानित किया गया। उन्हें इस रिकॉर्ड प्रयास में सक्रिय भागीदारी, समर्पण और योगदान के लिए सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।कार्यक्रम के आयोजन जादूगर अखिलेश जैसवाल ने बताया कि यह आयोजन महान जादूगर ओ. पी. शर्मा की स्मृति को समर्पित था। इस पहल ने उनकी विरासत को सम्मान देने के साथ–साथ जादू कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संदेश भी दिया।कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने तालियों की गूंज के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बन गया कि जब कला और एकता का संगम होता है, तो असंभव भी संभव हो जाता है।इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में एसपी सिंह बघेल (केंद्रीय मंत्री भारत सरकार),पुरुषोत्तम खण्डेलवाल (विधायक आगरा),पूनम वार्ष्णेय ज्योतिषाचार्य,इंटरनेशनल मैजिशियन जादूगर सम्राट शंकर,मेन्टलिस्ट मैजिशियन सीके चौधरी,मैजिशियन एन्ड सोशल वर्कर अशोक अग्रवाल भल्ला जी सहित तमाम जादूगर एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

खड़ंजा मार्ग पर अवैध अतिक्रमण,पीड़ित ने संपूर्ण समाधान दिवस में की शिकायत

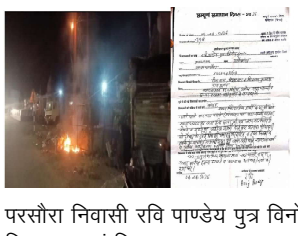

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में तहसील व थाना कर्नलगंज क्षेत्र के ग्राम नहवा परसौरा में खड़ंजा मार्ग पर अवैध अतिक्रमण का मामला सामने आया है। पीड़ित ग्रामीण ने इस संबंध में संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर खड़ंजा मार्ग पर नांदा चन्नी व छप्पर रखकर किये गए अवैध अतिक्रमण को हटवाने व दबंग अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नहवा परसौरा निवासी रवि पाण्डेय पुत्र विनोद कुमार ने दिये गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि गांव के ही दीनानाथ, शिवानाथ एवं शिवनाथ पुत्रगण रामप्रताप द्वारा दबंगई के बल पर उनके घर आने–जाने वाले एकमात्र खड़ंजा मार्ग पर नांदा, चन्नी रखकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया गया है। इसके साथ ही आरोप है कि विपक्षीगण ने मार्ग के एक हिस्से पर छप्पर भी रख लिया है, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो विपक्षियों द्वारा भद्दी गालियां दी गईं और फौजदारी पर आमादा हो गए। उन्होंने यह भी बताया कि विपक्षीगण दबंग प्रवृत्ति के हैं और बहुपरिवारिक होने के कारण भय का माहौल बना हुआ है। रवि पाण्डेय ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए मांग की है कि खड़ंजा मार्ग से अवैध अतिक्रमण हटवाया जाए, ताकि उनके घर तक आवागमन सुचारु हो सके। संपूर्ण समाधान दिवस में दिए गए इस प्रार्थना पत्र के बाद अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

आईपीएल छोड़ने को लेकर अश्विन का बड़ा खुलासा, कहा– यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला और पीड़ादायक था

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया है कि अगर वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से खेलते हुए 'मानसिक रूप से परेशान करने वाले' और 'पीड़ादायक' दौर से नहीं गुजरे होते तो वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में थोड़ा और समय तक खेल सकते थे। अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उन्होंने पिछले साल आईपीएल को भी अलविदा कह दिया था।

इस स्टार स्पिनर ने अपने यूट्यूब चौनल 'ऐश की बात' में कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने की दुविधा से बचाने के लिए आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया। अश्विन ने कहा, ''मैंने सीएसके के साथ एक निराशाजनक सत्र बिताया। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं लेकिन मैंने इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि मेरे पास भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर खेलने की क्षमता नहीं थी।''

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस मनाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/पयागपुर। भारतीय जनता पार्टी के 47वें

स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत खुटेहना के बूथ संख्या 309 व 310 पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को याद किया। कार्यक्रम में भाजपा के सेवा, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण के 47 वर्षों की उपलब्धियों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी ने हमेशा जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किया है और भविष्य में भी इसी दिशा में कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दीनानाथ तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रदेव त्रिपाठी, नारायण दत्त तिवारी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया गया।

नाले की सफाई न होने से सड़क पर बह रहा गंदा पानी, सड़क टूट कर गड्ढों में तब्दील, आए दिन पलट रहा ई रिक्शा, अधिकारी मौन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। महराजगंज तराई (बलरामपुर) विकास खंड तुलसीपुर की ग्राम पंचायत महाराजगंज तराई में ललिया महराजगंज तराई मुख्य मार्ग पर बाज़ार में सड़क पर बह रहे घरों के गंदे पानी से लोगों की राह चलना मुश्किल हो गया है। जल निकासी व्यवस्था न होने से हर समय सड़क पर पानी भरा रहता है। ललिया महराजगंज मार्ग से रोजाना हजारों लोगों का बलरामपुर, ब्लॉक मुख्यालय कौआपुर के अलावा स्कूल, अस्पताल, स्टेशन व बाज़ार आदि आना–जाना लगा रहता है। सड़क पर बह रहा गंदा पानी से बाजार में दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। सड़क पर बह रहा गंदा पानी के बीच कहां सड़क है और कहां गड्ढा पता न चलने से आए दिन में नाली का निर्माण तो हुआ

बाइक सवार रिक्शा चालक उसमें फिसल कर गिर रहे हैं। जल निकासी को लेकर तमाम शिकायत के बावजूद विभाग मौन है। इस संबंध में ब्लाक मुख्यालय पर बैठे आला अफसर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।बाजार लेकिन जल निकासी न होने से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। इससे न सिर्फ राहगीरों को परेशान होना पड़ रहा है बल्कि सड़क के किनारे मौजूद दुकानदारों का व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र वासियों ने कई बार अधिकारियों को मामले से अवगत करवाया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। क्षेत्रवासी नियाज अहमद मुख्तार मुस्ताक पप्पू रिंकू जायसवाल भोटू आदि ने बताया कि नाली निर्माण होने के बाद जल निकासी न होने से समस्या बनी है। सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूली बच्चों और बाजार करने आई महिलाओं को हो रही हैं। आए दिन लोग फिसलकर गिरते रहते हैं। क्षेत्र वासियों ने जिलाधिकारी से जल निकासी व्यवस्था कराए जाने की मांग की है। लोक निर्माण विभाग जेई प्रदीप कुमार ने बताया कि जल्द ही ग्राम पंचायत द्वारा पाइप डालने का कार्य किया जाएगा।

बहराइच-गोंडा रोड पर बड़ा हादसा: पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे गिरा ट्रक, दो घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। थाना पयागपुर क्षेत्र अंतर्गत कोल्हुआ के पास

बने पुल पर रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ता हुआ सीधे नीचे जा गिरा। हादसे से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना देने वाले सियाकत खान पुत्र निजामुद्दीन निवासी नगर गोटारी ने बताया कि ट्रक संख्या CG15ED8090 अचानक संतुलन खो बैठा और पुल से नीचे गिर गया। इस हादसे में ट्रक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान संतोष यादव पुत्र बृजबिहारी यादव तथा अंकित यादव पुत्र राज नारायण यादव निवासी बभनी, जनपद सोनभद्र के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

बसौना प्राथमिक विद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। फखरपुर क्षेत्र के बसौना प्राथमिक विद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का

आयोजन किया गया, जिसमें "जन–जन का रखे ध्यान, टीबी मुक्त भारत अभियान" के तहत लोगों की जांच व परामर्श दिया गया। शिविर में पहुंचे चिकित्सकों ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां वितरित कीं और टीबी के लक्षण, बचाव व उपचार के बारे में जागरूक किया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जिसका समय पर इलाज संभव है। लोगों से अपील की गई कि लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर लाभ उठाया। इस दौरान एसकेएस कालेज सबलापुर की जीएनएम के छात्र अरविंद, नेहा, पूजा व नैंसी समेत अन्य मौजूद रहे।

कैसरगंज में राशन घोटाले पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कोटेदार पर गंभीर आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के कैसरगंज तहसील क्षेत्र में राशन वितरण में अनियमितताओं को लेकर

ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आया है। ग्राम पंचायत पचंभा तौकलपुर के कार्डधारकों ने तहसील व कोतवाली कैसरगंज परिसर में प्रदर्शन कर अपनी शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार डॉक्टर अली अहमद पुत्र असगर खां समय से दुकान नहीं खोलते और पहले ही कार्डधारकों के अंगूठे लगवा लेते हैं। इसके बाद राशन के लिए कई दिनों तक चक्कर लगवाए जाते हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि अंत्योदय कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा से कम, मात्र 32 किलो राशन और करीब 2 किलो 200 ग्राम चीनी दी जा रही है। वहीं अन्य कार्डधारकों को भी यूनिट के अनुसार पूरा राशन नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि पूरा राशन मांगने पर उन्हें दबाव में लिया जाता है और यह कहकर डराया जाता है कि "तहसील से लेकर जिले तक सब सेटिंग है, कहीं भी शिकायत कर लो कुछ नहीं होगा।"पीड़ितों ने बताया कि 17 मार्च 2026 को उपजिलाधिकारी कैसरगंज को ऑनलाइन शिकायत भी की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदर्शन के दौरान वसीम खां, गोबरे, महेश, श्यामू, इश्तियाक, अंजुम, अमर प्रसाद समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे और अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। अब सवाल यह है कि खबर सामने आने के बाद प्रशासन इस मामले में कार्रवाई करता है या यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयुर्वेदिक कॉलेज में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बीएएमएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए सीपीआर (कार्डियो–पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यशाला का प्रभावी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं सही जीवनरक्षक तकनीकों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें व्यावहारिक रूप से दक्ष बनाना रहा। कार्यशाला में एसोसिएट प्रोफेसर (क्रिया शारीर) डॉ. मनीष कुमार शर्मा ने सीपीआर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उन्होंने डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से बताया कि हृदयगति रुकने की स्थिति में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, जिनमें सही तरीके से सीपीआर देने पर व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। विद्यार्थियों ने भी प्रशिक्षण के दौरान स्वयं अभ्यास कर तकनीक को समझा। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश चंद्र तिवारी सहित डॉ. देवेश तिवारी, डॉ. मुकेश माहिच, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. प्रियंका शर्मा, संजय गौतम, डॉ. नारायण मिश्रा, डॉ. शालू गुप्ता, डॉ. निधि पोरवाल एवं जेपी शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महत्वपूर्ण जीवनरक्षक कौशल सीखे। अंत में प्राचार्य ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य के चिकित्सकों में आत्मविश्वास, तत्परता और आपातकालीन चिकित्सा की समझ को सुदृढ़ बनाते हैं।

कैसरगंज में उर्वरक बिक्री व आपूर्ति पर समीक्षा बैठक, पारदर्शिता के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। खरीफ सीजन को देखते हुए तहसील कैसरगंज क्षेत्र में उर्वरक की उपलब्धता और बिक्री व्यवस्था को सुचारु बनाने के उद्देश्य से सोमवार को विकासखंड सभागार कैसरगंज में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता, एडीसीओ तथा सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में साधन सहकारी समितियों के सभी सचिवों को निर्देशित किया गया कि किसानों को समय से उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि उर्वरक वितरण में पूरी पारदर्शिता रखी जाए तथा

निर्धारित दरों पर ही बिक्री की जाए। जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि खरीफ सीजन में उर्वरकों की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में समय से भंडारण और वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने सचिवों को निर्देश दिया कि स्टॉक रजिस्टर एवं बिक्री रजिस्टर को अद्यतन रखें और नियमित रूप से निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराएं। सहायक आयुक्त एवं सहकारिता ने शासन द्वारा जारी गाइडलाइन की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उर्वरक वितरण में डिजिटल माध्यमों के उपयोग और रसीद देने की अनिवार्यता पर भी जोर दिया। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए समितियों पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक का भंडारण रखा जाए। साथ ही कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। अंत में अधिकारियों ने सभी सचिवों से अपेक्षा की कि वे शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराएं और खरीफ फसल की तैयारी में सहयोग करें।

दबंगों ने गिरा दिया बाउन्ड्रीवाल: एसपी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के सुहगिया शंकरपुर निवासी शिवपूजन पुत्र रामनाथ ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर आबादी की भूमि में जबरिया कब्जा करने की कोशिश और बाउन्ड्रीवाल गिरा देने, उसकी पत्नी संजू को मारने पीटने, छावनी के दारोगा द्वारा दबाव बनाकर मनमाना एफआईआर दर्ज करने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है। सोमवार को एसपी को दिये पत्र में शिवपूजन ने कहा है कि गत 4 अप्रैल को गांव के ही रूष्मा पत्नी हरिविजय, राम प्रसाद पुत्र रामदास उनकी आबादी की भूमि में जबरिया कब्जा करने की कोशिश करने लगे। उनकी पत्नी संजू ने को उक्त लोग धारदार हथियार लेकर घर पर चढ आये और उसके पुत्र लगभग 11 वर्षीय अभिषेक को मारा पीटा। वह फिर थाने पहुंचा किन्तु कोई सुनवाई नहीं हुई। 5 अप्रैल को उक्त लोगों ने उसकी बाउन्ड्रीवाल को गिरा दिया जिसका वीडियो उपलब्ध है। पुलिस ने शिवपूजन के तहरीर की जगह अपने तरीके से हल्के धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और अभियुक्त हरिविजय को मुल्जिम बना दिया जो यहां रहते ही नहीं है। शिवपूजन ने वीडियो के आधार पर नये सिरे से मुकदमा पंजीकृत कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपनी जमीन को बचाने की गुहार एसपी से लगाया है।

जब विरोध किया तो उन लोगों ने उसे मारा पीटा। शिवपूजन ने जब इसकी सूचना थाने पर दिया तो पुलिस ने न्याय दिलाने की जगह उसे भगा दिया। उसी दिन शाम

स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम में डीएम व सीडीओ ने छात्र–छात्राओं को वितरित किया पुस्तक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के पी.एम. श्री कम्पोजिट विद्यालय हारीपुर में आयोजित जनपद स्तरीय "स्कूल चलो अभियान–2026" कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ।इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिलाधिकारी गोंडा श्रीमती प्रियंका निरंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अंकिता जैन ने प्रतिभाग कर दीप प्रज्वलित तथा माँ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम की शुभारंभ के दौरान कंपोजिट विद्यालय लक्ष्मणपुर जाट, कंपोजर विद्यालय हारीपुर तथा कंपोजर विद्यालय जमदरा के बच्चों द्वारा मनमोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों का मनमोह लिया। इसके पश्चात विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें देशभक्ति, शिक्षा के महत्व तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास ने सभी को प्रभावित किया।इस अवसर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं को पुस्तकें वितरित की गईं,जिससे उनमें शिक्षा के प्रति उत्साह और बढ़े।

साथ ही,जनपद में उत्कृष्ट कार्य करने वाले खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं विद्यालय में शतप्रतिशत बच्चों के नामांकन कराने के उपलक्ष में प्रधानाध्यापकों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सराहनीय योगदान की सराहना का प्रतीक रहा।कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित अध्यापकों को संबोधित करते हुए "स्कूल चलो अभियान" को सफल बनाने के लिए विशेष प्रयास करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिक्षक अभिभावकों से नियमित संपर्क स्थापित करें तथा उन्हें बच्चों को समय से विद्यालय भेजने के लिए जागरूक करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।कार्यक्रम में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया। इस आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश गया कि सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।कार्यक्रम के दौरान सहायक शिक्षा निदेशक देवीपाटन मंडल राम सागर पति त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर राम चन्द्र,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह,जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय उपाध्याय, वित्त एवं लेखाधिकारी सुदीप पाण्डेय,जिला समन्वयक बेसिक शिक्षा विभाग राजेश सिंह,जिला समन्वयक बेसिक शिक्षा विभाग गणेश गुप्ता सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बलरामपुर महोत्सव में 5 वर्षीय अन्वीक्षा सिंह ने दिखाया अद्भुत नृत्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर महोत्सव में एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुईं। इसी क्रम में 5 वर्षीय अन्वीक्षा सिंह ने श्बेटियोंश गीत पर अपना मनमोहक नृत्य पेश कर सबका दिल जीत लिया। अन्वीक्षा की प्रस्तुति देख दर्शकों ने खड़े होकर उसका उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने अन्वीक्षा को सम्मानित किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अन्वीक्षा के पिता सौरभ सिंह ने बताया कि वह बचपन से ही नृत्य में रुचि रखती है और उसकी इस प्रतिभा को बलरामपुर महोत्सव में सम्मान मिला है।

बच्चों को शिक्षित कर योग्य नागरिक बनाएः टप्पू सिंह

चौरीचौरा गोरखपुर। डीएन पब्लिक स्कूल, सरैया, सरदारनगर में स्कूल वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के मेधावी छात्र छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बच्चो ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व शहीद बंधू सिंह के वंशज अजय कुमार सिंह टप्पू ने बच्चों को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों में चरित्र निर्माण करें। बच्चों को योग्य नागरिक बनाएं। योग्य नागरिक किसी भी पद को हासिल कर सकता है। योग्य नागरिक राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका अदा करते है।

मंडलायुक्त विन्ध्याचल की अध्यक्षता में मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारियों की गयी समीक्षा'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रोल आब्जर्वर/मंडलायुक्त, मिर्जापुर राजेश प्रकाश की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत अंतिम प्रकाशन की अनुमति प्राप्त किए जाने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में रोल आब्जर्वर/ मण्डलायुक्त विन्ध्याचल द्वारा मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन से पूर्व की समस्त तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उन्होने जिला निर्वाचन अधिकारी से 10 अप्रैल को अन्तिम मतदाता सूची प्रकाशन की तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी ली जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी0एन0 सिह द्वारा बताया गया कि 10.04.2026 को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को फाइनल प्रकाशित मतदाता सूची उपलब्ध कराने की व्यवस्था पूर्ण कर ली गयी है बैठक के दौरान उन्होने कहा कि मतदाता सूची को अंतिम रूप देने से पूर्व प्राप्त सभी शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्यवाई सुनिश्चित कर ली गयी है, बैठक में मण्डलायुक्त द्वारा निर्धारित फॉर्मेट 1 से 8 के अंतर्गत सांख्यिकीय विश्लेषण (स्टैटिस्टिकल एनालिसिस) कराए जाने तथा मतदाता सूची को हर ष्टि से सही पाए जाने की स्थिति की समीक्षा की गई। मण्डलायुक्त ने मतदाता सूची की प्रिंटिंग हेतु पीडीएफ तैयार करने, तथा अंतिम प्रकाशन के उपरांत पोलिंग स्टेशन, ई0आर0ओ0 कार्यालय, डी0ई0ओ0 कार्यालय एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर मतदाता सूची उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये, बैठक में नव नामांकित मतदाताओं के ई0पी0आई0सी0 कार्ड मतदाता पहचान पत्र की प्रिंटिंग एवं वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। रोल आब्जर्वर /माण्डलायुक्त विन्ध्याचल ने निर्देशित किया कि जनपद में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन निर्धारित समयसीमा में पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी जगृति अवस्थी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी वागीश कुमार शुक्ला, उप जिला अधिकारी रावर्टसगंज उत्कर्ष द्विवेदी, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक सिंह, उप जिलाधिकारी घोरावल, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल सहित सम्बन्धितगण उपस्थित रहे।

भाजपा स्थापना वर्ष गांठ पर काव्य संध्या में हुआ राष्ट्र वंदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। इमिरती कालोनी राबर्ट्सगंज में भाजपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा कमलेश सिंह खांबे के आवास पर उनके आयोजकत्व में सोमवार को भाजपा बर्ष गांठ के उपलक्ष्य में काव्य संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें कवियों ने राष्ट्र वंदन कर एक से बढ़कर एक वीर रस, हास्य, श्रृंगार, ओज राष्ट्र वाद, गीत, गजल, छंद, नज्म सुनाकर वाहवाही लूटते रहे। मुख्य अतिथि पूर्व जिला भाजपाध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर तिवारी व अन्य भाजपा नेताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर भारत भारती के चित्र पर माल्यार्पण किया। विधिवत कार्यक्रम का आगाज सुशील मिश्रा अध्यक्ष सोन संगीत फाउंडेशन के वाणी वंदना, माई सारद अइली तोहरे दुअरिया, लेतू आ खबरिया हो से वातावरण सृजित हुआ।

ओज राष्ट्र वाद की प्रखर कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, देश विरोधी हर ताकत की हस्ती हमें मिटानी है, जिस इंसान का खून न खौला खून नहीं वह पानी है सुनाकर महफ़िल में शमां रौशन की और राष्ट्र वंदन कर आयोजन में चार चांद लगाया। शहीद स्थल करारी प्रमुख प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने अपनी कालजयी रचना, वंदेमातरम वंदेमातरम वंदेमातरम बानी, पहिरि केसरिया झूलले फांसी नाहर हिंदुस्तानी सुनाकर वाहवाही लूटी और लोगों में देशभक्ति का जोश भर दिया। अटल जी को समर्पित रचना फूल से भी कोमल पाहन से सख्त थे अंतरू करण विशुद्ध था भारत के भक्त थे देते रहे आहुति इस हवन कुंड में शेखर सुभाष बिस्मिल भगत सिंह के रक्त थे सुनाकर श्रद्धांजलि दी। आयोजन की अध्यक्षता करते हुए शायर अशोक तिवारी एडवोकेट ने अटल जी को समर्पित बेहतरीन रचना, दिल में हिंदोस्तान रखता था पांव जमींन में सर पे आसमान रखता था, अंधेरों के बढते हुए सन्नाटे में, वो एक शख्श था जो मुंह में जुबान रखता था । सुनाकर वाहवाही लूटी सराहे गये। सफल संचालन करते हुए राष्ट्र वाद के प्रहरी प्रभात सिंह चंदेल ने, जय जगत जननी जन्म भू धन्य वीर वसुंधरा,तन प्राण है तुझपर निछावर और यह जीवन मेरा सुनाकर देर तक जय हिंद का उद्घोष कराते रहे। गीतकार धर्मेश चौहान एडवोकेट ने, उन वीर सपूतों को हमारा कोटि कोटि नमन, जिनका जीवन सिर्फ त्याग और बलिदान के लिए सुनाकर आयोजन को गतिज उर्जा दी सराहे गये। सुनील चौचक ने हास्य व्यंग्य की रचना, जेबा कटि गैल थाने में सुनाकर लोगों को खूब हंसाते रहे। बासी भात पर बेना जिनि हौंका,बनल बाप के बिगरल बेटवा एतना मति फौंका ,तंज कसकर लोगों को खूब रिझाया।लोकभाषा कवि दयानंद दयालू ने पर्यावरण पर उजड़ल जाता बाग बगैचा लागै सूना सूना सुनाकर लोगों को सोचने पर विवस कर पर्यावरण के प्रति सचेत किया।। नवगीतकार दिलीप सिंह दीपक ने, वीर शहीदों को समर्पित रचना बुजुर्गों ने लहू देकर रक्खी है आबरू इसकी तो वहीं विवेक चतुर्वेदी शायर ने समझते हो अगर कमजोर हमको, चलो फिर जंग हो जाये दुबारा सुनाकर भारत माता के विरुद्ध सोंच रखने वालों को ललकारा सराहना पाई। सभी कवियों का सारस्वत अभिनंदन किया गया।

आयोजक कमलेश सिंह खांबे ने आभार व्यक्त करते हुए अनेक शेर ओ शायरी सुनाकर आयोजन को शिर्ष पर पहुंचाया तो वहीं मुख्य अतिथि डा, धर्मवीर तिवारी एडवोकेट पूर्व जिला भाजपाध्यक्ष ने सभी कवियों की रचना को साधकों की साधना से देश वंदना का पुष्प निरंतर पल्लवित पुष्पित हो इस संकल्प के साथ भारतीय जनता पार्टी के वर्ष गांठ पर सबको बधाई देते हुए सम सामयिक चिंतन वक्तव्य देकर आयोजन को विराम दिया गया। इस अवसर पर लालता प्रसाद मिश्र, दिलीप चौबे, ऋषभ, हर्ष, अनीशा, जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, देवानंद पांडेय, गुलाम हुसैन, शिवम आदि लोग रहे।

नगरीय निकायों में सुनी गयी समस्या कराया तत्काल निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई सम्भव दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई सम्भव दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद में 2, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबर में 3, नगर पंचायत रेनुकूट में 2, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों में कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद , द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर मा0 सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित 'जनसुनवाई/जनता दर्शन' कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सु.ढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बघेल तालाब के पानी से उपजा विवाद, जांच में जुटा प्रशासन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। बहराइच के पयागपुर तहसील क्षेत्र में तालाब बघेल को लेकर विवाद तेज हो गया है। भगत पुरवा निवासी प्रमोद कुमार सिंह ने जिलाधिकारी अक्षय कुमार त्रिपाठी से मिलकर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने तालाब से जुड़े निर्माण कार्यों के कारण फसलों और ग्रामीणों को हो रही परेशानी का मुद्दा उठाया। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और उपजिलाधिकारी पयागपुर की तीन सदस्यीय टीम गठित कर स्थलीय निरीक्षण के आदेश दिए। टीम ने मौके पर

पहुंचकर राजस्व, पुलिस और मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान शिकायत में दर्ज गाटा संख्या 717 और 722 की लेखपाल द्वारा नापी भी कराई गई। प्रमोद कुमार सिंह का आरोप है कि मत्स्य विभाग ने 439 हेक्टेयर भूमि पीवीआर कंपनी को एग्रीमेंट पर दी है, जिसके तहत बनाए गए बांध से तालाब का पानी गांव की ओर फैल रहा है। इससे किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं और ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर राहुल चौधरी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनके द्वारा ऐसा कोई बांध नहीं बनाया गया है, जिससे क्षेत्र में नुकसान हो। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल व्यवसाय करना है, किसी प्रकार का विवाद खड़ा करना नहीं। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा है।

मण्डलायुक्त ने अस्थायी गौ आश्रय स्थल रावर्टसगंज का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश ने आज नगर पालिका स्थित अस्थायी गौ आश्रय स्थल रावर्टसगंज केंद्र का औचक निरीक्षण किये निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्थायी गौ आश्रय स्थल रावर्टसगंज में व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किये तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मण्डलायुक्त/नोडल अधिकारी ने कहा कि गौशाला में संरक्षित पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा, भूसा और स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान साफ–सफाई, पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण तथा शेड की स्थिति के सम्बन्ध में भी नोडल अधिकारी ने जानकारी ली गौ आश्रय स्थल में पशुओं के लिए की गयी व्यस्था पर उन्होने संतुष्टी व्यक्त की। इस दौरान उन्होने कहा कि संबंधित अधिकारी को गौशाला का नियमित रूप से निरीक्षण करें और व्यवस्थाओं की सतत निगरानी रखे। मण्डलायुक्त ने यह भी कहा कि पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी आवश्यक संसाधनों का समुचित उपयोग किया जाए, इस मौके पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अजय कुमार मिश्रा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश चन्द्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुकेश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जन शिकायतों का समयबद्ध व गुणवतापूर्ण निस्तारण किया जाये सुनिश्चित-मण्डालायुक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सीएम डैशबोर्ड के लैगशिप कार्यक्रमों एवं जन शिकायतों के निस्तारण के संबंध में एवं प्रभारी मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में मंडल आयुक्त विंध्याचल मंडल एवं नोडल अधिकारी राजेश प्रकाश ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं निर्माण एजेन्सीयों के अधिशासी अभियन्ता के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिये कि माननीय मुख्यमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि जन शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो अतः सभी अधिकारी इस दिशा में पूर्ण गंभीरता से कार्य करें। बैठक के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए नोडल अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए साथ ही पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत भी जल जीवन मिशन विभाग द्वारा प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए, जिन ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जा रही है, वहां टैंकर से जलापूर्ति न कर, उसी योजना के माध्यम से नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में बेंच–डेस्क एवं मरम्मत की आवश्यकता है, उनकी सूची शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, ताकि आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकें। ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए गए। लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित एजेंसियों को सड़कों के निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा ट्रामा सेंटर से मेडिकल कॉलेज यूनिट तक सड़क निर्माण हेतु शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान उन्होंने 'बी' एवं 'सी' ग्रेड प्राप्त विभागों को कार्य प्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। बैठक में जिलाधिकारी बी0एन सिंह ने कहा कि नोडल अधिकारी/मण्डलायुक्त द्वारा जो भी दिशा निर्देश दिये गये है सभी अधिकारी निर्देश का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करायेगें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, बैठक में अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्टी दिशा से चल रही हाईवा की चपेट में आने से बाइक सवार पिता पुत्र घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डाला चौकी क्षेत्र के डाला चढ़ाई पर उल्टी दिशा से आ रही हाईवा ने बाइक सवार पिता पुत्र टक्कर मार दिया,दुर्घटना में 48 वर्षीय पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के मौजूद लोगों ने घायल पिता को उपचार हेतु चोपन सीएचसी व पुत्र को बाजार स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया।चोपन सीएचसी से जहाँ चिकित्सकों ने प्रारूप उपचार के दौरान पिता को जिला अस्पताल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार सोमवार को दोपहर ढाई बजे डाला चढ़ाई निवासी बाइक सवार 48 वर्षीय संतोष कन्नौजिया पुत्र नन्हकू चौधरी व उनका 22 वर्षीय पुत्र सत्यम अपने घर से बाजार की ओर जाने के लिए निकले थे कि वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर पर पहुंचते ही अचानक उल्टी दिशा से आ रही हाइवा ट्रक की चपेट में आकर गिरने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए।आनन–फानन में वंहा मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस व परिजनों को दी और निजी साधन से उपचार हेतु गंभीर रूप से घायल संतोष को चोपन सीएचसी ले गए जबकि सत्यम को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सत्यम को छुट्टी दे दी गई।घटना के बाद हाइवा चालक ट्रक छोड़कर भाग गए जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे चौकी प्रभारी घनश्याम तिवारी ने घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में लेकर चौकी परिसर में खड़ा करा लिया है।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- धनघटा, वि.ख. - हरैय्या सतघरवा, जनपद- बलरामपुर

निविदा/आपूर्ति सूचना

निविदा आपूर्ति सूचना ग्राम पंचायत धनघटा विकास खंड हरैया सतघरवा बलरामपुर में वित्तीय वर्ष– 2026–2027 हेतु मनरेगा (जी. राम. जी.), केन्द्रीय वित्त आयोग वा राज्य वित्त आयोग स्वच्छ भारत मिशन, आर.जी.एस.ए के अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं एवं आगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, अमृत सरोवर, वृक्षारोपण, कायाकल्प, SLWM, अन्त्येष्टी स्थल ग्राम पंचायत में पेयजल की आपूर्ति, गौ पशु आश्रय, भूसा, दाना/पूनी चोकर इत्यादि कार्य हेतु प्रथम द्वितीय श्रेणी ईंट। इंटर लॉकिंग ईंट। ईंट गिट्टी। बालू। मोरंग/ ग्रेनाईट/सारिया। पत्थर मिट्टी ह्यूम पाइप पेंट इत्यादि समस्त निर्माण सामग्री मेज कुर्सी, अलमारी, साइनबोर्ड, स्कूल के झूले एवं अन्य खेल सामग्री इत्यादि। स्ट्रीट लाइट, सौर्य ऊर्जा, डस्टबीन इलेक्ट्रॉनिक सामान एवं कम्प्यूटर उपकरण इत्यादि सामग्री की आवश्यकता है और JCB मशीन किराये पर, ट्रैक्टर ट्रॉली किराये पर आवश्यकता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक–05/04/2026 से दिनांक 14/04/2026 को साम 5 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा पर बांधित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी। निविदा एवं कोटेशन दिनांक–15/04/2026ग्राम पंचायत कार्यालप में ग्राम प्रधान एवं सचिव की उपस्थिति में 12 बजे तक निविदा फार्म खोला जायेगा।

नियम/शर्ते निस है.– 01 – जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे काम होगी उसे ग्राम पंचायत द्वारा कार्य कराये जाने हेतु सूचित किया जायेगा यदि आपूर्ति करता घ्द्वारा निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं किया जाता है तो ऐसी दशा में आपूर्ति आदेश निरस्त करते हुए बरियता क्रम में अन्य फर्म को आपूर्ति आदेश जारी करने हेतु स्वतंत्र है। 02 – फर्म को जी.एस.टी. पंजीकृत हो तो आयकर की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है। 03 – ग्राम प्रधान/सचिव घ्द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों घ्द्वारा आपूर्ति की मौजूदगी में निविदा खोला जायेगा 04–जो दरे प्रस्तुत की जाएं वह दरें जीएसटी तथा डुलाई चढ़ाई उतराई तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाए। 05–सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दरों से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 06–सामग्री की आपूर्ति सचिव। ग्राम प्रधान के आपूर्तिआदेश पर ही की जाए। 07– प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृति दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए। 08– स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत ही किया जाएगा। गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जाएगा।

रीता मिश्रा
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-धनघटा
वि.ख. -हरैय्या सतघरवा,
जनपद - बलरामपुर

शिव प्रकाश मिश्रा
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-धनघटा
वि.ख. -हरैय्या सतघरवा,
जनपद - बलरामपुर

पत्रांक मेमो/निविदा/2026–2027 | दिनांक 05–04–2026

ग्रामीण महिलाओं का नौ दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के गोविंदपुर स्थित बनवासी सेवा आश्रम में सोमवार को नौ दिवसीय सिलाई शिक्षक ट्रेनिंग का समापन हुआ।15 ग्राम पंचायत की महिलाओं को सिलाई में गुणवत्ता का हुनर अंति देवी और नीरा ने सिखाया और उषा इंटर नेशनल की ओर से मुत में सभी प्रतिभागियों को सिलाई मशीन वितरित किया गया । सह प्रायोजित और वित्तपोषितउषा की तरफ से बताया गया कि प्रत्येक पंचायत में एक प्रशिक्षित महिला गांव की महिलाओं और लड़कियों को सिलाई सिखाएंगी जिससे महिलाएं स्वावलंबी बनेगी तथा आर्थिक रूप से मझबूत होकर घरेलू सिंसा से बच सकेंगी आश्रम की शुभा प्रेम ने कहा कि जो बहने गांव घर में पहले से सिलाई करती रही है वे अब शिक्षिका हो गई है। उन्होंने कहा कि सिलाई में कटिंग और फिटनेस महत्वपूर्ण है। उन्होंने आह्वान किया सिलाई के साथ समाज में अपनी पहचान बनाना है गांव की समस्या की जानकारी होनी चाहिए और उस समस्या का समाधान भी कर सके। ऐसा खुद को बनाना होगा। मौके पर चित्रांगत दुबे,देवनाथ सिंह, केवला दुबे,नीरा , सुरेश कुमार, राकेश कुमार, शांति कुशवाहा, सरिता,आदि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 17: तीसरे शनिवार को रणवीर सिंह की फिल्म की रिकॉर्ड तोड़ कमाई, पुष्पा 2 समेत इन फिल्मों को चटाई धूल

नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी धुरंधर 2 19 मार्च को थिएटर में रिलीज हुई. रिलीज के तुरंत बाद, धुरंधर 2 ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े बेंचमार्क सेट किए. फिल्म को रिलीज हुए 17 दिन हो गए हैं. 17 दिनों के बाद भी धुरंधररू द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी है. तीसरे शनिवार को ऐसे नंबर आए है, जिससे यह पक्का हो गया कि फिल्म में अभी भी टिकट काउंटर पर बताने के लिए एक कहानी है.

धुरंधर 2रू द रिवेंज ने किसी हिंदी फिल्म के लिए सबसे ज्यादा ओपनिंग दी है. ट्रेड एक्सपर्ट्स का कहना है कि खास मार्केट में इसकी टिकट बिक्री जबरदस्त रही है, जिससे यह 2026 की सबसे खास कमर्शियल रिलीज में से एक बन गई है. कुछ ही दिनों में, आदित्य धर की यह फिल्म इंडिया और दुनिया भर में 100 करोड़, 200 करोड़ और 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली सबसे तेज हिंदी फिल्म बन गई है.

सैकनिल्क रिपोर्ट के मुताबिक, आदित्य धर की निर्देशित फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी जबरदस्त कमाई जारी रखी है, और 17वें दिन भारत में 14,172 शो से 25.65 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसके साथ ही, फिल्म का दुनिया भर में कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन घरेलू और विदेशी बाजारों में 1,564. 30 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.

भारत में, धुरंधर 2 ने अब तक कुल 1179.30 करोड़ रुपये की ग्रॉस और 985.02 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. ओवरसीज मार्केट में 17वें दिन फिल्म ने 10.00 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे फिल्म का ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन अब तक 385.00 करोड़ रुपये हो गया है.

17वें दिन, धुरंधर 2 ने हिंदी में 24.25 करोड़ की नेट कमाई की. यह किसी बॉलीवुड फिल्म के लिए 17वें दिन का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा था. दूसरा स्थान भी 24.25 करोड़ के साथ छावा को जाता है, जो ठीक उसी दिन धुरंधर 2 के बराबर कमाई की थी. सैकनिल्क रिपोर्ट के मुताबिक, पहली फिल्म धुरंधर, अपने 17वें दिन 38.50 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई के साथ टॉप पर है. वहीं, सीक्वल उस नंबर के आस–पास भी नहीं पहुंच पाई.

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 20 करोड़ के साथ चौथे नंबर पर है, उसके बाद महावतार नरसिम्हा 18 करोड़ के साथ छठे और बाहुबली 2 17.75 करोड़ के साथ 7वें पायदान पर है. लिस्ट में अगली फिल्में स्त्री 2 (16.50 करोड़), गदर 2 (16.10 करोड़) और दंगल (?13.68 करोड़) हैं.

बता दें, धुरंधर 2 को अभी बाहुबली 2रू द कन्क्लूजन (1,030.42 करोड़ रुपये) और पुष्पा 2रू द राइज (1,234.10 करोड़ रुपये) को हराना बाकी है. इसने पहले ही एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर (782.20 करोड़ रुपये), कल्कि 2898 एडी (646 करोड़ रुपये), केजीएफरू चौप्टर 2 (859.70 करोड़) और जवान, पठान, एनिमल और छावा जैसी कई दूसरी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लाइफटाइम इंडिया कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है.

मोनालिसा ने उठाए रजत दलाल की परवरिश पर सवाल, कहा–फेम पाने के लिए कर रहे घटिया हरकत

रियलिटी शो द 50 खत्म हो गया है लेकिन इस शो से शुरू हुए विवाद शांत नहीं हो रहे हैं। इन दिनों रजत अपनी शादी के साथ मोनालिसा के साथ हुए विवाद पर भी खुलकर बात कर रहे हैं, हालांकि अब बिना नाम लिए मोनालिसा ने रजत दलाल पर

पलटवार किया है और अपने करियर की अचीवमेंट के बारे में बात की। एक्ट्रेस मोनालिसा का कहना है कि कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया,जिसमें वो बिना नाम लिए रजत दलाल पर निशाना साध रही हैं। रजत दलाल ने हाल ही में कहा था कि उन्हें मोनालिसा की कही किसी भी बात से फर्क नहीं पड़ता है। अब अभिनेत्री ने वीडियो जारी कर कहा, कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं, क्योंकि उनकी असली जिंदगी भी फेक है। जब ऐसी हरकत करेंगे, तभी तो दिखेंगे।

उन्होंने आगे कहा, किसी को मेरे गुस्से से क्यों फर्क पड़ेगा, क्योंकि शो के अंदर हमने उनकी तरह गाली नहीं दी। अब शो के बाहर भी वो कुछ भी बोल रहे हैं और उनके पेड पीआर करने वाले लोगों की कोई सीमा नहीं है। हमें एक से बढ़कर एक घटिया बातें सुनने को मिल रही हैं। मेरी मां और परिवार को लेकर गलत बातें की जा रही हैं। अगर मेरी वजह से किसी और के साथ ऐसा होता तो मैं खुद उस मामले को रोकती, क्योंकि मेरी परवरिश ऐसी नहीं है। यहां लोग फैन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने बहुत बड़ा वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने रजत दलाल और उनके फैंस को करारा जवाब दिया है। उन्होंने यह भी साफ किया है कि उन्हें फेम की जरूरत नहीं है क्योंकि वे वर्षों से इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं। मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, कुछ बातें बोलना जरूरी था। द–50, 100 से ऊपर भोजपुरी फिल्में, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ फिल्में, बिग बॉस–10, नच बलिए 8, नजर सबसे लोकप्रिय सुपरनैचुरल शो और भी बहुत कुछ, जिसे मैं भी भूल रही हूं। लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया। इसके बाद भी मुझे आपके जरूरी फेम नहीं चाहिए भाई।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2 के साथ लौटेंगे शाहिद कपूर–कृति सैनन, फिर मचेगा धमाल

शाहिद कपूर और कृति सैनन की साइंस–फिक्शन फिल्म तेरी

बातों में ऐसा उलझा जिया 2024 में रिलीज हुई थी। खबर है कि निर्माताओं ने इसके सीक्वल की तैयारी शुरू कर दी है। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म रोबोटिक्स इंजीनियर और उसकी रोबोट गर्लफ्रेंड पर आधारित थी जिसे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल हुई। फिल्म के क्लाइमैक्स में संकेत मिला था कि कहानी सीक्वल के साथ आगे बढ़ेगी। शाहिद और कृति अपने किरदारों को दोहराते दिखाई दे सकते हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि सीक्वल में जाह्नवी कपूर भी अहम भूमिका के साथ शामिल हो सकती हैं। दरअसल, फिल्म के आखिर में उन्होंने कैमियो किया था। सीक्वल पर बात करते हुए सूत्र ने कहा, कहानी वहीं से शुरू होगी जहां पिछली फिल्म खत्म हुई थी। फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है और अगस्त तक स्क्रिप्ट तैयार होने की उम्मीद है। निर्माता 2027 की पहली तिमाही में शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इससे पहले, फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में कृति ने तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के सीक्वल की पुष्टि की थी। उन्होंने स्वीकारते हुए कहा था, तेरी बातों में ऐसा... सीक्वल की स्क्रिप्ट पर फिलहाल काम चल रहा है। हम दोनों ही इसे जल्द से जल्द देखना चाहते हैं। अमित जोशी और अराध्ना शाह द्वारा निर्देशत इस फिल्म में धर्मेंद्र और डिंपल कपाडिया जैसे दिग्गज कलाकार समेत ग्रुशा कपूर, अनुभा फतेहपुरिया और आशीष वर्मा भी शामिल थे।

रश्मिका मंदाना के बर्थडे पर विजय देवरकोंडा ने शेयर की राणाबाली की अनसीन वीडियो

श्मिका मंदाना के शादी के बाद उनका यह पहला 30 वां जन्मदिन है. इसलिए उनके स्टार पति ने उनके इस खास दिन को और भी खास बनाया है. एक्टर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट राणाबली का एक बिहाइंड–द–सीन्स वीडियो शेयर किया और उसे एक खास और मिनिमल कैप्शन के साथ जोड़ा है.

विजय देवरगोंडा ने अपने इंस्टाग्राम पर राणाबली का बीटीएस वीडियो शेयर किया है. दिल को छू लेने वाला बीटीएस क्लिप एक नोट के साथ शुरू होता है, जिसमें लिखा है, ग्रे रंग में रंगी दुनिया में, वह उसकी एकमात्र रंग थी.

वीडियो में जयम्मा की पुरानी तस्वीरों की झलक दिखाई जाती है. इसके बाद सेट पर टीम रश्मिका का स्वागत करती है. क्लिप में वह क्रिएटिव टीम के साथ अपने किरदार जयम्मा पर चर्चा करती दिख रही हैं, जिसमें उनके लुक, स्टाइलिंग, पोज और उनकी परफॉर्मेंस के दूसरे पहलू शामिल हैं. जयम्मा का किरदार निभाते हुए, रश्मिका मुस्कुराती हुई और अपने रोल में पूरी तरह डूबी हुई दिख रही हैं.

वीडियो के आखिर में, विजय और रश्मिका एक हल्के–फुल्के पल शेयर करते हुए दिखाए गए हैं. वह घास की ढेर में एक साथ लेटे हुए, राणाबली पर अपने काम की एक मजेदार और कैंडिड सीन करते हुए नजर आते हैं. विजय ने इस खास बीटीएस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, आई लव यू जयम्मा. विजय के इस पोस्ट को रश्मिका ने रीपोस्ट किया है.

इसके अलावा मैसा के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर एक्ट्रेस को बर्थडे विश किया है. अनफॉर्मूला फिल्म्स ने एक्ट्रेस का एक जबरदस्त लुक दिखाते हुए लिखा है, उसने मोहनी रूप से राज किया. उसने दया से जीता. अब वह प्योर रेज के साथ आ रही है. पोस्टर में आगे लिखा था, टीम मैसा हमेशा स्टनिंग रश्मिका मंदाना को जबरदस्त हैप्पी बर्थडे विश करती है. इमेज में, रश्मिका गुस्से से घूरती हुई दिख रही हैं, उनके चेहरे पर चोट और खून के निशान हैं, जो उनके इंटेंस कैरेक्टर को दिखाता है.

राणाबली 2026 में आने वाली एक इंडियन पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसमें विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना हैं, और इसे राहुल सांकृत्यायन ने डायरेक्ट किया है. ब्रिटिश राज (1854द्1878) के बैकग्राउंड पर बनी यह फिल्म एक फ्रीडम फाइटर की कहानी है, जो रायलसीमा की सच्ची और दबी हुई ऐतिहासिक घटनाओं से प्रेरित है. राणाबली 11 सितंबर, 2026 को थिएटर में रिलीज होगी.

इसके अलावा, रश्मिका तेलुगु पैन इंडियन पीरियड ड्रामा मैसा के लिए भी तैयारी कर रही हैं. रविंद्र पुले द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई एक्शन थ्रिलर फिल्म इसी साल रिलीज होगी. उनकी झोली में कॉकटेल–2 भी है, जो 19 जून 2026 को रिलीज होगी.

गर्मी के मौसम में लें अंगूर से बने इन 5 व्यंजनों का मजा, मिलेगी ताजगी

अंगूर गर्मियों का एक स्वादिष्ट फल है, जिसमें कई जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं। आमतौर पर लोग अंगूर का सेवन ऐसे ही करना पसंद करते हैं या फिर इसका जूस पीते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि अंगूर से कई तरह के व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं? इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की रेसिपी बताने वाले हैं, जो अंगूर से बनाए जाते हैं और गर्मियों के दौरान बहुत अच्छे लगते हैं।

अंगूर का शरबत

अंगूर का शरबत एक ताजगी भरा पेय है, जिसे आप गर्मियों में आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजे हरे या काले अंगूर लें और उन्हें अच्छे से धो लें। अब इन्हें मिक्सी में पीसकर इनका ताजा रस बना लें, फिर इसमें नींबू का रस मिला दें। इसमें पुदीने की पत्तियां और थोड़ी–सी चीनी भी डाल दें। इसे ठंडा करके बर्फ डालकर परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

अंगूर की चटनी

अंगूर की चटनी एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप अपने खाने के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों को मैश कर लें, फिर इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और धनिया पत्ती मिलाएं। अब इसमें नमक, गरम मसाला और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आप इसमें अपनी पसंद के कुछ अन्य मसाले भी मिला सकते हैं, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाएगा।

अंगूर की जेली

अंगूर की जेली एक तरह की मिठाई है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। यह बच्चों को खास तौर से बहुत पसंद आती है। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों का रस निकाल लें, फिर इस रस को चीनी और जिलेटिन पाउडर के साथ पकाएं। जब तक यह गाढ़ा न हो जाए तब तक इसे पकाते रहें। अब इस मिश्रण को ठंडा करके फ्रिज में जमने दें। जब यह पूरी तरह से जम जाए तो इसे काटकर परोसें।

अंगूर की आइसक्रीम

अंगूर की आइसक्रीम एक बेहतरीन मिठाई है, जिसे आप अपने परिवार के साथ बांट सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों का पेस्ट बना लें, फिर इसमें क्रीम और चीनी मिलाकर फ्रीजर में जमने दें। हर आधे घंटे बाद इसे निकालकर फेंटें, ताकि इसमें कोई बर्फ के कण न बने और यह मलाईदार हो जाए। जब यह पूरी तरह से जम जाए तो इसे परोसें। ऊपर से अंगूर के टुकड़े डालना न भूलें।

अंगूर का सलाद

अगर आप कुछ हल्का खाना चाहते हैं तो अंगूर का सलाद एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों को काट लें, फिर इनमें कटा हुआ खीरा, टमाटर और प्याज मिलाएं। अब इस पर जैतून का तेल, नींबू का रस, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं। यह सलाद न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि गर्मी में पेट को ठंडा भी रख सकता है। इसके ऊपर से मेवे और बीज भी डाल दें।